mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-173 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
23 जून 2024 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

गिलक्रिस्ट के...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

आंध्र में जगन की पार्टी के दफ्तर पर चला बुलडोजर

● ऐक्शन में नायडू सरकार, वायएसआरसीपी ने बताया बदले की राजनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में सत्ता बदल गई है, जिसके बाद नई सरकार के तहत प्रशासन धड़ाधड़ फैसले ले रहा है और शनिवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वायएसआरसीपी का कार्यालय ध्वस्त कर दिया गया। राज्य के विजयवाड़ा के तोडेपल्ले जिले में पार्टी का यह कार्यालय बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। इस केस में वायएसआरसीपी ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर 'बदले की

राजनीति' का आरोप लगाया है। पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी की पार्टी ने कहा कि उसने आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण की कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और एक रिट याचिका दायर की थी, जिसमें सुनवाई पूरी होने तक ताडेपल्ली में उनके केंद्रीय कार्यालय भवन के खिलाफ किसी भी कार्रवाई के खिलाफ आदेश देने का अनुरोध किया गया था। जानकारी के मुताबिक, वायएसआरसीपी का निर्माणाधीन केंद्रीय कार्यालय भवन कथित तौर पर 'अवैध रूप से कब्जे वाली' भूमि पर बनाया जा रहा था।

बिहार में ढहा एक और पुल, बड़ा हादसा टला

● दो गांवों के बीच आवागमन ठप होने से जनता परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में पुल गिरने की घटना पिछले कुछ वर्षों में काफी आम हो गई है जिसके चलते पुल निर्माण को लेकर प्रशासन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अभी दो दिन पहले ही अररिया में एक निर्माणाधीन पुल गिरा था। वहीं अब सीवान में एक पुल गिरने की घटना सामने आई है, जिसके चलते पूरा आवागमन बाधित हो गया है और लोग जहां के तहां फंस गए हैं। दरअसल, अचानक पुल का एक पाया धंसने लगा, देखते ही पुल नहर में समा गया है। हादसे के बाद दो गांव के बीच

आवागमन बाधित हो गया है। इलाके में हड़कंप मच गया है और लोग पुल के निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय प्रशासन पर ही सवाल उठाने लगे हैं। इस पुल के गिरने को लेकर स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि 30 साल पहले बिहार सरकार ने इस पुल का निर्माण करवायाा। था। कुछ दिन पहले ही विभाग नहर की सफाई करवाई गई थी, साथ ही नहर की मिट्टी काटकर नहर के बांध पर फेंक दी गई थी।

6 आरोपी हिरासत में

नीट का पेपर झारखंड से हुआ लीक

जली बुकलेट का नंबर हजारीबाग का, प्रोफेसर ने पेपर वॉट्सऐप पर मास्टरमाइंड को भेजा था

पटना (एजेंसी)। नीट एग्जाम विवाद में झारखंड पुलिस ने देवघर से शनिवार को 6 लोगों को हिरासत में लिया है। इन्हें बिहार के पटना ले जाया जाएगा। इस मामले में अब तक 19 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। उधर, दोनों राज्यों की पुलिस ने बताया कि नीट का पेपर झारखंड से ही लीक होने के सबूत मिले हैं। बिहार पुलिस का कहना है कि 5 मई को नीट की परीक्षा हुई थी। इस दौरान सूचना मिली थी कि कुछ स्टूडेंट्स और सेंटर के पास पेपर पहले से पहुंच गया है और उसे रटवाया जा रहा है। पुलिस जब वहां पहुंची तो जला पेपर मिला और बुकलेट नंबर 6136488 बरामद की गई थी। सूत्रों की मानें तो यह बुकलेट हजारीबाग के एक सेंटर की है। इससे यह माना जा रहा है कि पेपर झारखंड से ही लीक हुआ था। इधर जांच एजेंसी के हेड फिलहाल दिल्ली में हैं। सूत्रों की मानें तो उन्होंने अपनी जांच रिपोर्ट और अब तक की कार्रवाई से एनटीए और शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों को अवगत कराया है। हालांकि जांच एजेंसी की तरफ से अब तक इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। देवघर पुलिस ने बताया, जिन 6 लोगों को हिरासत में लिया गया है, उनमें बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले परमजीत सिंह उर्फ बिट्टू, चिंटू शामिल है।

एनटीए में सुधार के लिए 7 सदस्यीय कमेटी का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) की परीक्षाओं में गड़बड़ियां रोकने और पारदर्शिता लाने के लिए 7 सदस्यीय हाई लेवल कमेटी का ऐलान किया। इसरो के पूर्व चेयरमैन और आईआई कानपुर के पूर्व डायरेक्टर के. राधाकृष्णन इसके चीफ होंगे। यह कमेटी 2 महीने में शिक्षा मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपेगी। नीट एग्जाम विवाद पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 20 जून को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की थी। शिक्षा मंत्री ने कहा था कि ये कमेटी एनटीए के स्ट्रक्चर, फंक्शनिंग, एग्जाम प्रोसेस, ट्रांसपेरेंसी, ट्रांसफर और डेटा, सिक्योरिटी प्रोटोकॉल को और इम्प्रूव करने के लिए शिक्षा मंत्रालय को सुझाव देगी। 2017 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में एनटीए के गठन की घोषणा की थी।

आईएएस अधिकारी ने हड़प ली लकी अली की जमीन!

● कर्नाटक के बेंगलुरु का है मामला

बेंगलुरु (एजेंसी)। मशहूर सिंगर लकी अली ने आरोप लगाया है कि एक आईएएस अधिकारी और उनके परिवार के सदस्यों ने बेंगलुरु के बाहरी इलाके में उनकी कृषि भूमि हड़प ली है। विवादित संपत्ति कथित तौर पर येलहंका के कंचनहल्ली क्षेत्र में स्थित है। लकी अली ने कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस में नौकरशाह रोहिणी सिंधुरी, उनके पति सुधीर रेड्डी और उनके बहनोई मधुसूदन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

ममता की नाराजगी दूर करने में जुटी कांग्रेस

प्रियंका के पक्ष में वायनाड में प्रचार के लिए मनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी लोकसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस को अपने राज्य में एक भी सीट नहीं दी, लेकिन अब वह वायनाड में प्रियंका गांधी के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए जाएंगी। कांग्रेस पार्टी ने उनसे यह अनुरोध किया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। इससे पहले ममता बनर्जी ने ही प्रियंका गांधी वाड्रा को वाराणसी से चुनाव लड़ाने का विचार दिया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कोलकाता में सचिवालय में ममता बनर्जी के साथ बैठक की थी। सूत्रों ने बताया कि चिदंबरम गांधी परिवार के दूत के रूप में ममता से मिलने के लिए गए थे। टीएमसी सुप्रीमो कांग्रेस से नाराज हैं और उन्होंने कांग्रेस-टीएमसी गठबंधन वार्ता में विफलता के लिए विशेष रूप से बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी को जिम्मेदार ठहराया है। बंगाल में टीएमसी की बड़ी जीत के बाद टीएमसी के दूसरे सबसे बड़े नेता अभिषेक बनर्जी कांग्रेस को छोड़कर विभिन्न मुद्दों पर उन्हें एक साथ लाने के लिए इंडिया गठबंधन के घटक दलों से मिलने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

पेपर लीक हुआ तो 10 साल जेल, 1 करोड़ तक जुर्माना

देश में एंटी-पेपर लीक कानून आधी रात से लागू, नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एंटी-पेपर लीक कानून यानी पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 लागू हो गया है। केंद्र ने शुक्रवार की आधी रात इसका नोटिफिकेशन जारी किया। यह कानून भर्ती परीक्षाओं में नकल और अन्य गड़बड़ियां रोकने के लिए लाया गया है। इस कानून के तहत, पेपर लीक करने या आंसर शीट के साथ छेड़छाड़ करने पर कम से कम 3 साल जेल की सजा होगी। इसे 10 लाख तक के जुर्माने के साथ 5 साल तक बढ़ाया जा सकता है। परीक्षा संचालन के लिए नियुक्त सर्विस प्रोवाइडर अगर दोषी होता है तो उसे 5 से 10 साल तक की जेल की सजा और 1 करोड़ रुपए तक जुर्माना होगा। सर्विस प्रोवाइडर अवैध गतिविधियों में शामिल है, तो उससे परीक्षा की लागत वसूली जाएगी। नीट और यूजीसी-नेट जैसी परीक्षाओं में गड़बड़ियों के बीच यह कानून लाने का फैसला बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे पहले, केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों के पास परीक्षाओं में गड़बड़ी से जुड़े अपराधों से निपटने के लिए अलग से कोई ठोस कानून नहीं था। पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, इसी साल 6 फरवरी को लोकसभा और 9 फरवरी को राज्यसभा से पारित हुआ था।

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा करने वाले लक्ष्मीकांत दीक्षित का निधन

● वाराणसी में चल रहा था इलाज, मणिकर्णिका घाट पर दाह संस्कार हुआ

वाराणसी (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित का शनिवार सुबह निधन हो गया। 82 वर्षीय आचार्य पिछले कुछ दिनों से बीमार थे और गंभीर बीमारी की चपेट में थे। लक्ष्मीकांत प्राण प्रतिष्ठा आयोजन में पुजारियों की टीम में शामिल है। उनका मणिकर्णिका घाट पर दाह संस्कार किया गया। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान लक्ष्मीकांत दीक्षित का प्रमुख पुजारी के रूप में चयन हुआ था। उनके पूर्वजों ने नागपुर और नासिक रियासतों में भी धार्मिक अनुष्ठान कराए थे। लक्ष्मीकांत दीक्षित पूजा पद्धति में सिद्धहस्त और वाराणसी के मीरघाट स्थित सांगवेद महाविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य रहे थे। लक्ष्मीकांत के निधन पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी दुख जाहिर किया।

भीषण गर्मी का कहर मक्का में हर तरफ लाशें...

हज के दौरान मरने वालों की संया पहुंची 1000 के पार

98 भारतीयों की भी मौत, सऊदी की कोशिशें रहीं नाकाफी

रियाद (एजेंसी)। इस साल की हज यात्रा पर सऊदी अरब की भीषण गर्मी की वजह से हाजियों के लिए मुश्किल भरी रही है। इस साल हज के दौरान होने वाली मौतों का आंकड़ा 1,000 को पार कर गया है। जैसे-जैसे मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, वैसे ही ये सवाल भी उठ रहा है कि सऊदी अरब में हुई इन मौतों के लिए खराब इंतजाम, भीषण गर्मी मौसम या फिर बड़ी तादाद में हाजियों की भीड़, किसे जिम्मेदार माना जाए। सऊदी अरब में सोशल मीडिया पर ऐसी सैकड़ों तस्वीरें और वीडियो शेयर हो रहे हैं, जिनमें हाजी सड़क के किनारे बेहोश या फि मृत पड़े दिख रहे हैं। कई तस्वीरों में इन लोगों को देखकर लगता है कि लाशों को वहीं छोड़ दिया गया है। डीडब्ल्यू की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी के पवित्र शहर मक्का में हज के दौरान तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया।

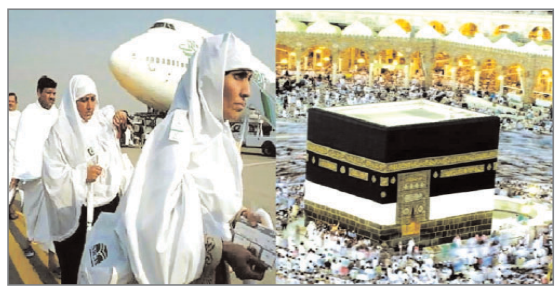

इस भीषण गर्मी के बीच आश्रय और पानी की कमी ने हजारों तीर्थयात्रियों की जान ली। सऊदी अरब में इस साल दुनिया भर से करीब 18 मुसलमानों के हज करने के लिए पहुंचे थे। हाजियों की बड़ी संख्या ने भी चीजों को बद से बदतर किया। सऊदी अरब के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मौतों के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं।

भारत आई शेख हसीना, मोदी ने दिया रेड कार्पेट वेलकम

तीस्ता नदी पर चर्चा करेंगे, इस पर चीन की मदद से बैराज बनाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत दौरे का शनिवार को दूसरा दिन था। शनिवार को राष्ट्रपति भवन में पीएम मोदी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्हें सेरिमोनियल वेलकम दिया गया। पीएम हसीना ने राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसके बाद जॉइंट स्टेटमेंट के दौरान पीएम मोदी ने कहा, हम पिछले 1 साल में करीब 10 बार मिले हैं, लेकिन फिर भी पीएम शेख हसीना का यह दौरा अहम है, क्योंकि वे हमारे तीसरे कार्यकाल में पहली स्टेट गेस्ट के तौर पर आई हैं। पीएम मोदी ने बताया कि दोनों देशों के बीच भारतीय करेंसी में व्यापार शुरू हो चुका है। पिछले साल दोनों देशों ने साथ मिलकर कई प्रोजेक्ट्स को पूरा किया। बांग्लादेश विकास में भारत का सबसे बड़ा पार्टनर है और उनके साथ हमारे रिश्ते बेहद अहम हैं। मैं शाम के क्रिकेट वर्ल्ड कप मैच के लिए भी दोनों टीमों को बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा, भारत-बांग्लादेश मैत्री सैटेलाइट

हमारे संबंधों को नई ऊंचाई देगी। हमारा फोकस दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। भारत और बांग्लादेश को 54 साझा नदियां जोड़ती हैं। बांग्लादेश में तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन पर बातचीत के लिए जल्द एक टेक्निकल टीम बांग्लादेश जाएगी।

सूखी धरती और झुलसेगी, रेगिस्तान बन जाएगा इलाका...

● गर्मी को लेकर डराने वाली है आईआईटी प्रोफेसर की यह चेतावनी ● हीटवेव्स बढ़ने से पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर पैदा हो सकता है खतरा

कानपुर (एजेंसी)। मार्च से लेकर जून तक पड़ी जानलेवा गर्मी से भले ही अब कुछ निजात मिल गई हो, लेकिन आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर राजीव सिन्हा ने चेताया है कि ऐसी हीटवेव्स की बारंबरता बढ़ी तो ये भूजल के अलावा हमारे पूरे पारिस्थितिकी तंत्र (इकॉलजी) पर खतरा पैदा हो जाएगा। अभी पक्के तौर पर तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन मौसम शायद बड़े बदलाव की तरफ इशारा कर रहा है। दुनिया के कई बड़े पर्यावरण वैज्ञानिक इसे एक संकेत मान रहे हैं। अर्थ साइंसेज विभाग के प्रोफेसर राजीव सिन्हा ने कहा कि जब ज्यादा गर्मी पड़ती है, तो पौधे मिट्टी में मौजूद पानी को खींचते (इवैपोट्रांसपाइरेशन) हैं। ये पानी ही बाद में पत्तों पर बूंदों के तौर पर दिखता है। अपनी नमी बरकरार रखने के लिए ज्यादा गर्मी में

पेड़-पौधे ज्यादा पानी खींचेंगे, लेकिन इसकी एक क्षमता है। इस दौरान मिट्टी भी सूख जाती है। जब पेड़-पौधों को नमी नहीं मिल पाती, तो वे जल जाते हैं। जैसा हमने पिछले 2-3 महीनों में देखा। नदी, तालाब और पोखर जैसी जलनिधियां सिर्फ हमें पानी ही नहीं देतीं, बल्कि ये ग्राउंड वॉटर को रीचार्ज भी करती हैं। गर्म लहरों में जलनिधियों का पानी तेजी से वाष्पीकृत होता है। इस बीच लोग जमीन से खूब पानी लेते हैं। गर्मी और बारिश का मौसम सामान्य तरीके से चले तो बारिश में जमीन से निकाला गया पानी दोबारा रीचार्ज हो जाता है। ज्यादा हीटवेव्स आएंगी तो भूजल रीचार्ज का चक्र पूरी तरह बिगड़ जाएगा। भूजल कभी मॉनसून पूर्व की स्थिति में नहीं लौट पाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री श्रीमती गौर ने पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के छात्रावास का निरीक्षण किया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने शुक्रवार को हरदा जिला मुख्यालय पर स्थित पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के छात्रावास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास परिसर में गंदगी पाये जाने पर सख्त नाराजगी प्रकट की और संबंधित अधिकारियों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की गलती न हो अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने छात्रावास में निवासरत छात्राओं से उनके कक्षों में जाकर व्यक्तिगत चर्चा की और उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं को सीख दी कि मन लगाकर पढ़े और अपने माता पिता के सपनों को साकार करते हुए आगे बढ़ों। उन्होंने छात्राओं को आश्वस्त किया कि उनकी पढ़ाई लिखाई के लिये हर संभव मदद प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के माध्यम से दिलाई जाएगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने छात्राओं को नियमित योगाभ्यास करने की सलाह भी दी। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती राजू कमेड़िया, कलेक्टर श्री आदित्य सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव चौकसे सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

दुर्लभ वन्यप्राणी पेंगोलिन की तस्करी में शामिल एक वर्ष से फरार आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश (एसटीएसएफ) क्षेत्रीय इकाई जबलपुर एवं वनमंडल कटनी के द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर संयुक्त रूप से कार्यवाही कर ग्राम मनहेर जिला कटनी से प्रहलाद सिंह पिता बहादुर सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरूद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स इकाई जबलपुर के द्वारा वन अपराध प्रकरण में वन्यप्राणी पेंगोलिन की तस्करी के संबंध में पंजीबद्ध किया गया था।

उल्लेखनीय है कि विगत 01 वर्ष 03 माह से उक्त आरोपी फरार था जिसे स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा पकडने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे थे। आरोपी को सीजेएम न्यायालय जबलपुर में पेश किया जायेगा। प्रकरण में पूर्व में 07 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। एसटीएसएफ के द्वारा दुर्लभ प्रजाति वन्यप्राणी पेंगोलिन के अवयवों की तस्करी का अतर्राज्जीय एवं अतर्राष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इसमें 198 आरोपियों को देश के 15 राज्यों से गिरफ्तार किया जा चुका है। इंटरपोल द्वारा पेगोंलिन को विश्व में सबसे ज्यादा तस्करी किया जाने वाला स्तनपायी कहा है। वन्यप्राणी पेंगोलिन के अवयवों की तस्करी एशिया व अफ्रीका के कई देश में की जाती हैं। इसकी मांग मुख्यत: चीन, म्यानमार, थाईलैण्ड, मलेशिया, हॉगकॉग, वियतनाम आदि देशों में है।

पेंशनधारियों को फर्जी कॉल से बचने की सलाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। साइबर अपराधियों द्वारा पेंशनधारियों को जीवन प्रमाण-पत्र को ऑनलाइन अपडेट करने के संबंध में की जाने वाली फर्जी कॉल से बचाव की सलाह दी है। पेंशनधारक का पूरा डाटा, नियुक्ति दिनांक, पीपीओ नम्बर, आधार नम्बर, सेवानिवृत्ति तिथि जैसी सभी जानकारी उपलब्ध होने के कारण पेंशनधारकों को ऑनलाइन अपडेशन के संबंध में भरोसा दिया जाता है। वर्तमान में साइबर अपराधियों द्वारा पेंशन निदेशालय का हवाला देकर पेंशनरों को पूरा डाटा बताकर जीवन प्रमाण-पत्र अपडेट करने के लिए ओटीपी साझा करने की बात प्रकाश में आई है । पेंशनर द्वारा गलती से ओटीपी साझा करने पर अपराधी को बैंक खाते का डायरेक्ट एक्सेस कन्ट्रोल मिल जाता है और पेंशनर के खाते की राशि फर्जी खाते में स्थानांतरित कर दी जाती है। उन्होंने कहा है कि पेंशनरों को जागरुक रह कर हमेशा सावधानी बरतने की जरुरत है। पेंशन निदेशालय द्वारा कभी भी किसी पेंशनर का जीवन प्रमाण-पत्र ऑनलाइन अपडेट करने के लिए कॉल नहीं किया जाता है और न ही ऑनलाइन जीवन प्रमाण-पत्र अपडेट किया जाता है।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में खुलेंगे हिंदी ग्रंथ अकादमी की पुस्तकों के बिक्री केंद्र -उच्च शिक्षा मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारतीय ज्ञान परम्परा के पाठ्यक्रमों में समावेश से, विद्यार्थी भारतीय दृष्टिकोण से अवगत होंगे। हमारी मान्यताओं और परंपराओं को विश्व ने अंगीकार किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के परिप्रेक्ष्य में पुस्तकों एवं पाठ्यक्रमों के लेखन में हिंदी ग्रंथ अकादमी के प्रयास प्रशंसनीय हैं। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने शुक्रवार को भोपाल स्थित मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी भवन में अकादमी के 54वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में कही। मंत्री श्री परमार ने अकादमी परिवार को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि अकादमी का इतिहास और विकास यात्रा, प्रगति पथ पर अग्रसर रहने के लिए मील का पत्थर है। श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसरण में प्रदेश अग्रणी है और इसके क्रियान्वयन में हिंदी ग्रंथ अकादमी की अग्रणी एवं उल्लेखनीय भूमिका है। राष्ट्रीय

शिक्षा नीति - 2020 के अनुसरण में पुस्तक लेखन के लिए अकादमी ने 3 वर्षों में 180 से अधिक नए लेखकों का चयन किया। प्रदेश भर के उत्कृष्ट लेखकों को एक मंच उपलब्ध कराना, अकादमी की बड़ी उपलब्धि है। अकादमी के लेखक शिक्षा जगत के लिए महत्वपूर्ण पूंजी है। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि वर्तमान में मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में 15 प्रतिशत की छूट का प्रावधान है। प्रदेश के 53 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में बिक्री केंद्र की स्थापना कर विद्यार्थियों को 40 प्रतिशत छूट पर अकादमी द्वारा प्रकाशित सभी विषयों की हिंदी माध्यम की पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने समस्त विश्वविद्यालयों में अकादमी के द्वारा पाठ्यक्रम के अतिरिक्त सभी तरह की पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के निदेशक श्री अशोक कड़ेल ने अकादमी की विकास यात्रा एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। प्रवेश एवं शुल्क विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. रवींद्र कान्हेरे ने अकादमी के उल्लेखनीय कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अकादमी का पुस्तकों के अनुवाद, अनुवाद से पुस्तकों के प्रकाशन से लेकर पाठ्यक्रम आधारित पुस्तकों के प्रकाशन तक की यात्रा उल्लेखनीय है, इससे प्रदेश के विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री के सी गुप्ता, आयुक्त उच्च शिक्षा श्री निशांत बरबड़े एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरू - कुलसचिव सहित अकादमी के अधिकारी - कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी सहायक संचालक श्रीराम विश्वास कुशवाहा ने किया और श्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने आभार व्यक्त किया।

नदियों के उद्गम मानस यात्रा पर मंत्री श्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उद्गम मानस यात्रा में मैंने जाना कि प्रकृति ने अपने संसाधनों से हमें भरपूर आशीर्वाद दिया है। समय रहते हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के आनंदित जीवन के लिए इनका संरक्षण, संवर्धन करना होगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने यह बात मंडला ज़िले की गौर नदी तथा डिंडोरी जिले की छोटी महानदी के उद्गम स्थल की यात्रा के दौरान कही है। मंत्री श्री पटेल द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शुरू की गई मानस यात्रा का कारवाँ अभियान समाप्त होने के बाद भी जारी है। उन्होंने आज उक्त नदियों के उद्गम स्थल पर पूजन, पौधरोपण व जनसंवाद किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इस यात्रा के दौरान जैंसे-जैंसे में

नदियों के उद्गम पर जा रहा हूं, मुझे यह अनुभूति हो रही कि हमने ही इन नदियों की उपेक्षा करके जल का भीषण संकट खड़ा किया है। नदियों की धारा को अविरल, प्रदूषण रहित बनाना संपूर्ण समाज का दायित्व है। यदि हमें प्रकृति को बचाना है तो अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। न केवल हम वृक्ष लगाएं बल्कि वे जीवित रहे यह भी सुनिश्चित करें। इसलिए अभियान समाप्त होने के बाद भी मानस यात्रा समाप्त नहीं हुई। प्रदेश की हर नदी के उद्गम स्थल पहुँच कर उसको जीवित करने का प्रयास सघन रूप से जारी रहेगा।

नर्सिंग संस्थाओं की मान्यता जारी करने में अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा नर्सिंग संस्थाओं में अनियमितता के मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देशानुसार विभाग द्वारा सघन जाँच कर कड़ी कार्रवाई की जा रही हैं। उक्त के अनुक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल ने श्रीमती सुनीता शिजू तत्कालीन रजिस्ट्रार म.प्र. नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउसिंल एवं वर्तमान स्टॉफ नर्स, चिकित्सा महाविद्यालय दतिया को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करने का आदेश किया है। नर्सिंग कौंसिल में पदस्थी के दौरान विभिन्न अयोग्य नर्सिंग महाविद्यालयों को मान्यता देने की जाँच में प्राप्त तथ्यों के आधार पर पदेन कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन न करने के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। श्रीमती शिजू मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन कौंसिल भोपाल में रजिस्ट्रार, के पद पर 22 सितंबर 2021 से 24 अगस्त 2022 तक पदस्थ थीं। रजिस्ट्रार नर्सिंग कौसिंल भोपाल के पद पर पदस्थ रहने के दौरान श्रीमती शिजू द्वारा नर्सिंग संस्थाओं की मान्यता प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता और पदीय कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन नहीं होना जाँच में पाया गया। अधिष्ठाता चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल द्वारा 20 जुलाई 2023 को आरोप पत्र तथा 04 अगस्त 2023 को अतिरिक्त अधिरोपित आरोप पत्र श्रीमती शिजू को जारी किया गया था।

प्रकरण अत्यन्त गंभीर प्रवृति का होने के कारण कार्यालय अधिष्ठाता, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल विभागीय जांच संस्थित की गई थी। जाँच में श्रीमती सुनीता शिजू द्वारा पदस्थी अवधि के दौरान की गई अनियमितताएँ अत्यंत अत्यंत गंभीर कदाचरण श्रेणी मे पायी गयीं। उक्त कृत्य के कारण प्रदेश में कई नर्सिंग संस्थाओं की गलत मान्यतायें जारी करने से प्रवेशरत छात्र-छात्राओं का भविष्य संकटपूर्ण हुआ तथा प्रदेश की नर्सिंग शिक्षा व्यवस्था कीं छवि धूमिल हुई।

विद्युत समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें अधिकारी-ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश बिजली कम्पनी के अधिकारियों को दिए हैं। गुना, अशोकनगर और शिवपुरी स्थित विद्युत वितरण कम्पनी के वृत्त कार्यालयों में आयोजित बैठक में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि आम उपभोक्ता को ट्रिपिंग का सामना न करना पड़े, इसके लिए अधिकारी माकूल बंदोबस्त करें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों और उपभोक्ताओं के फोन न उठाने की शिकायतों पर कड़ी नाराज़गी

व्यक्त करते हुए कहा कि जो अधिकारी इस तरह का व्यवहार करेंगे वे बख्शे नहीं जाएंगे। शिकायत मिलने पर ऐसे सभी अधिकारी-कर्मचारियों की एक वेतन वृद्धि रोकी जाएगी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि जिन पाश कालोनियों से शत प्रतिशत राजस्व वसूली होती है, वहां ट्रिपिंग नहीं होनी चाहिए और यदि हो रही है, तो अधिकारी उपभोक्ताओं को वाजिव कारण बताकर संतुष्ट करें।

उन्होंने सर्वाधिक ट्रिपिंग वाले क्षेत्रों के विभागीय अधिकारियों को हिदायत दी कि समय रहते अपने-अपने इलाके की विद्युत की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने समस्त सहायक यंत्री और उप यंत्रियों को भरोसा दिलाया कि वह अच्छा काम करें। आपके मान-सम्मान की रक्षा का जिम्मा विभाग का है।

उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की विद्युत सम्बन्धित समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के लिए मोहल्लों में जागरूकता अभियान चलाया जाए। यदि किसी तरह का विद्युत अवरोध होता है, तो उपभोक्ताओं को यह बताया जाए कि अवरोध किस कारण हुआ। जिससे आम उपभोक्ता को परेशानी का सामना न करना पड़े। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मैं स्वयं समय-समय पर मोहल्लों में जाकर उपभोक्ता जागरूकता अभियान चलाऊंगा।

प्रदेश के समस्त महाविद्यालयों में विकसित होंगे विद्यावन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार के मार्गदर्शन पर महाविद्यालयीन विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनमें स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक भाव उत्पन्न करने को लेकर उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यावन योजना के रूप में नवाचारी पहल की है। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के समस्त शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों में विद्यावन विकसित कर उसमें वृक्षारोपण किए जाने के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इसके अनुसार समस्त महाविद्यालयों को संस्था परिसर में विद्यावन के लिए उपयुक्त भूमि का चयन करना होगा, महाविद्यालय में भूमि उपलब्ध न होने की स्थिति में स्थानीय प्रशासन से समन्वय कर संस्था परिसर के निकट भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी।

महाविद्यालय के एनसीसी, एनएसएस के प्रभारी, क्रीडाधिकारी, वरिष्ठ प्राध्यापक, वन विभाग के प्रतिनिधि, स्थानीय गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्थानीय बैंक प्रतिनिधि, समाजसेवी संस्था के प्रतिनिधि तथा छात्र-छात्राओं को शामिल करते हुए एक समिति गठित की जायेगी, जो विद्यावन विकसित करने एवं वृक्षारोपण योजना के निष्पादन का कार्य करेगी। वन विभाग से समन्वय कर इसे विकसित करने के लिये चिन्हांकित/आवंटित भूमि की फेंसिंग तथा पौधों की सुरक्षा के लिये ट्री गार्ड की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए है। इसके लिए स्थानीय बैंक से समन्वय कर उनके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व मद अथवा महाविद्यालय की जनभागीदारी निधि का नियमानुसार उपयोग करने को कहा गया है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने की राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ दलहन उत्पादन की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दलहन उत्पादन की नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा आज समीक्षा की। उन्होंने राज्यों को निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त करने के लिये कहा। समीक्षा बैठक में किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने मूंग उपार्जन के 25 प्रतिशत लक्ष्य सीमा को 40 प्रतिशत तक बढ़ाने का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हम सब मिलकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिये कृत-संकल्पित होकर कार्य करेंगे। उन्होंने बैठक में शामिल मध्यप्रदेश सहित उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, बिहार, आंध्रप्रदेश, झारखंड और तेलंगाना के कृषि मंत्रियों व अधिकारियों को वर्ष 2024-25 के लिये दलहन उत्पादन के लिये निर्धारित किये गये लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति के लिये समुचित आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये हैं। मध्यप्रदेश के लिये वर्ष 2024-25 के लिये तूअर का लक्ष्य 4 लाख टन, मूंग 15.50 लाख, उड़द 9 लाख, मसूर 6.95 लाख, चना 37.50 लाख और अन्य दालों का 2.24 लाख टन सहित कुल 76.19 लाख टन दलहन उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश में बीज के लिये 24 हजार क्विंटल बीज उत्पादन का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने बैठक में वर्ष 2024-25 विपणन वर्ष में ग्रीष्मकालीन मूंग के कुल उत्पादन की 25 प्रतिशत उपार्जन लक्ष्य सीमा को बढ़ाकर 40 प्रतिशत तक करने का अनुरोध किया। मंत्री श्री कंषाना ने ओला-पाला से बचाने के लिये जल्दी पकने वाली तूअर की हाइब्रिड किस्म तैयार कराने के लिये संबंधितों को निर्देश देने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के टीकमगढ़, शिवपुरी, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर और हरदा जिलों में आदर्श दलहन गाँव विकसित किये जायेंगे। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल भी उपस्थित रहे।

किसानों के साथ नाप-तौल में धोखाधड़ी करने वालों को बख्शेंगे नहीं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य सरकार किसानों के साथ नाप-तौल में धोखाधड़ी करने वाले व्यापारियों को चिन्हांकित कर कड़ी कार्रवाई कर रही है। गड़बड़ी करने वाले 57 व्यापारियों को चिन्हांकित कर उनके विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किये गये हैं। नियंत्रक नाप-तौल डॉ. कैलाश बुंदेला ने बताया है कि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत के निर्देशानुसार अपर मुख्य सचिव, श्रीमती स्मिता भारद्वाज के मार्गदर्शन में विशेष अभियान चलाकर उपकरणों की जाँच की जा रही है।

डॉ. बुंदेला ने बताया कि आगामी खरीफ फसल को दृष्टिगत रखते हुए विशेष जाँच अभियान चलाकर जिलों में खाद-बीज विक्रेताओं की दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया जा रहा है। किसानों को सही मात्रा एवं दाम में खाद एवं बीज बेचने में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध किये जा रहे हैं, जिससे कि किसानों को सही कीमत पर उचित मात्रा में कृषि आदान प्राप्त हों। अभियान में विशेष तौर से जाँचा-परखा जा रहा है कि व्यापारी द्वारा उपयोग में लाए जा रहे नाप-तौल उपकरण नियमानुसार सत्यापित एवं सही है कि नही, खाद एवं बीज के पैकेजों पर नियमानुसार आवश्यक घोषणाए अंकित है कि नहीं। पैकेजों पर अंकित मात्रा के अनुसार खाद एवं बीज है, या नहीं। व्यापारी खाद्य बीज के पैकेजों पर अंकित अधिक कीमत पर विक्रय तो नहीं कर रहा है। नियंत्रक नाप-तौल डॉ. बुंदेला ने बताया कि विशेष जाँच अभियान में खाद एवं बीज व्यापारियों के कुल 324 निरीक्षण में 19 प्रकरण नाप-तौल उपकरण सत्यापित नहीं पाए जाने के कारण, 29 प्रकरण खाद्य एवं वीज के पैकेजो पर नियमानुसार घोषणा अंकित नहीं होने के कारण तथा 09 प्रकरण नाप-तौल उपकरण के सत्यापन प्रमाण पत्र उपलब्ध न होने के कारण पंजीबद्ध किये गए। खाद एवं बीज व्यापारियों को कहा गया है कि वे सत्यापित नाप-तौल उपकरणों का ही उपयोग करे, खाद एवं बीज के पैकेजों पर नियमानुसार आवश्यक घोषणाए अंकित होने पर ही विक्रय के लिये रखें, पैकेजों पर अंकित अधिक कीमत पर विक्रय न करें।

ग्राम पड़ैनिया में धारदार हथियार से मॉ और बेटी गले पर वार

ड़ेढ वर्षीय बच्ची की मौत, जीवन और मौत से लड़ रही मॉ, खून से दीवार पर लिखा हत्यारे का नाम

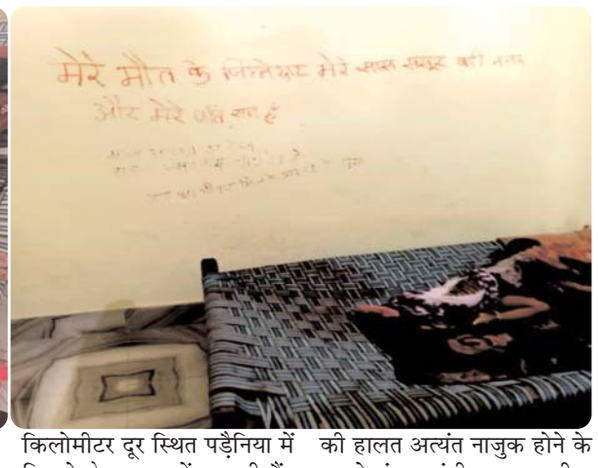

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पड़ैनिया में शनिवार की सुबह दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। जिसे देख सुन कर सभी स्तब्ध हैं। बताया गया कि अंकिता सिंह पति रवि सिंह उम्र 27 वर्ष पड़ैनिया सीधी में किराये के कमरे में रहती है, जो कि मूल निवासी झिंगाझर की है। गले के श्वास नली में धारदार हथियार से वार के कारण अत्यधिक खून बह गया और स्थिती नाजुक बनी हुई है, वहीं उसकी डेढ़ वर्षीय बच्ची की मौत हो गयी है।

मॉ और बेटी के गले में हुए वार का जिम्मेवार कौन है, यह स्पष्ट नही हो सका है। वहीं दबी जुबान में हो रही चर्चा के आधार पर ससुराल पक्ष के अनुसार अंकिता सिंह ने खुद अपने बेटी को मौत के घाट उतारा है इसके बाद अपनी जान लेने का प्रयास किया गया है। वहीं मायके पक्ष वालो की माने तो रवि सिंह ने अपने पत्नी और बेटी की जान लेने का प्रयास किया है। वहीं इस प्रकरण में बताया जा रहा है कि अंकिता खून से दीवाल में पति एवं ससुराल पक्ष को दोषी करार दी है। कोतवाली पुलिस ने प्रकरण पंजीवद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी है, जल्द ही सत्यता उजागर करने का दावा किया जा रहा है।

सूचनादाता दीपक गुप्ता ने शनिवार की सुबह 22 जून 24 को कोतवाली को सूचना दिया कि ड़ेढ वर्षीय बालिका एवं उसकी मॉ खून से लथपथ हालत में घर में पड़े हैं। दोनो की हालत अत्यंत ही नाजुक है। जो कि सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र से महज 2 किलोमीटर दूर स्थित पड़ैनिया में किराये के माकन में रह रही हैं। ये झींगाझर गांव की मूल निवासी हैं। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस त्वरित रूप से घटना स्थल पर पहुॅच कर अंकिता को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय सीधी लाया जबकि मासूम की मौत होना पाया गया। जिला चिकित्सालय के चिकित्सको ने अंकिता सिंह की हालत अत्यंत नाजुक होने के चलते संजय गांधी अस्पताल रीवा के लिये रेफर कर दिया, जहॉ उपचार जारी है।

खून से दीवार में लिखा हत्यारे का नाम: घटनास्थल पर दीवार में लाल लिपस्टिक या खून से अंकिता ने इस घटना की जिम्मेदार सास ससुर, बड़ी ननद और पति को ठहराया है। लिखा गया है कि उसका पति हर रोज प्रताड़ित करता है, साथ ही ससुराल पक्ष के सभी इसमें शामिल हैं। इसी के आधार पर पुलिस ने सास ससुर ननद सहित उसके पति को हिरासत में लेकर पूछ ताछ शुरू कर दी है। वहीं अपुष्ट सूत्रो की माने तो कोतवाली पुलिस को एक और सुसाइड नोट मिला है। उक्त प्रकरण हत्या है या आत्म हत्या का प्रयास इसका खुलाशा देर शाम तक पुलिस द्वारा नही किया गया। इस घटना को देख और सुन कर सब हैरान परेशान हैं कि आखिरकार मुख्य आरोपी कौन है। फिलहाल महिला जहां रीवा संजय गांधी में मौत और जिंदगी की जंग लड़ रही है वहीं डेढ़ बर्षीय मासूम का पीएम होने के बाद शव परिजनो के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस ने ससुर, सास पति और उसके नंद को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी है।

रामपुर नैकिन पुलिस ने 138 सीसी नशीली सीरफ की जप्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक सीधी द्वारा नशे के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना रामपुर नैकिन पुलिस द्वारा 138 सीसी नशीली ऑनरेक्स कफ सीरफ एवं परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल अनुमानित कुल कीमत 1,12,100 रूपए एवं आरोपी को रंगे हॉथो गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी रामपुर नैकिन निरीक्षक सुधांशु तिवारी के नेतृत्व में अवैध नशे के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये बताया गया कि शुक्रवार 21 जून की दरमियानी रात जरियें मुखविर सूचना मिली कि कस्बा रामपुर नैकिन मे एक सफेद रंग के अपाचे मोटर सायकल में पीर खान ऊर्फबाबा एवं अहेद खान अवैध नशीली कफसिरफ लिये बिक्री करने हेतु ग्राहक का इंतजार कर रहा है। जो मुखबिर की सूचना पर टीम गठित कर मुखबिर के बताये स्थान पर भेजा गया।

उक्त स्थल पर पुलिस को देखकर वाहन चालक पीर खान ऊर्फ बाबा पिता अकबर खान भागने में सफर रहा एवं पीछे बैठा अहेद खान पिता लाला खान निवासी कस्बा रामपुर नैकिन का एक बोरी लिए मिला। जिसे अभिरक्षा मे लेकर पूछताछ की गयी व बोरी खोलने को कहा गया जो बोरी मे कुल 138 शीशी अवैध नशीली कफ ऑनरेक्स सिरफ कीमती 62,100 रूपए की तथा वाहन अनुमानित कीमत 50,000 रूपए जप्त की गई। आरोपियों का उक्त कृत्य धारा 5/13 म.प्र. ड्रग्स कंट्रोल अधिनियम एवं 8/21, 22, 27, 29, 43 के अपराध पाये जाने पर अपराध कायम किया जाकर विवेचना मे लिया गया।

युवक ने फॉसी के फंदे पर झूल कर जीवन लीला की समाप्त

मीडिया ऑडीटर सीधी निप्र। शनिवार की सुबह चकदही निवासी रवि उर्फ राजू जानवानी पिता स्व.महेश कुमार जानवानी उम्र 28 वर्ष निवासी सर्राफा बाजार मार्ग चकदही रोड़ कोतवाली सीधी के फॉसी के फंदे पर झूल कर जीवन लीला समाप्त कर ली, जिसकी सूचना से बाजार क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो चली। आत्म हत्या की वास्तविक वजह क्या है इसकी जानकारी हेतु कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

कपिल जानवानी निवासी चकदही रोड़ ने 22 जून 24 की सुबह करीब 6 बजे कोतवाली पुलिस को सूचना दी कि राजू जानवानी अज्ञात कारणों के चलते बीती रात घर में ही फॉसी के फंदे पर झूल गया है जिससे उसकी मौत हो गयी है। सूचना उपरांत कोतवाली पुलिस घटना स्थल पर पहुॅच कर देखा कि मृतक दुपट्टे से लटका हुआ है। जहॉ पुलिस द्वारा स्थल पंचनामा तैयार करते हुए शव को अपने कब्जे में लेते हुए पीएम कराकर अंतिम संस्कार हेतु शव परिजनो के सुपुर्द कर दिया। उक्त घटना हत्या है या आत्म हत्या इसकी विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। वहीं स्थानीय जनो की माने तो मृतक अपने गलत संगत के चलते विगत कई दिनो से काफी परेशान रहा करता था साथ ही डिप्रेशन में चला गया था। यदि मृतक के मित्र मंडली से पूॅछ तांछ की जाती है तो उक्त घटना के वास्तविकता उजागर हो सकती है।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र को बनाएंगे आदर्श लोकसभा : डॉ राजेश मिश्रा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। लोकसभा संसदीय क्षेत्र सीधी अंतर्गत ब्यौहारी विधानसभा के खटखटिया तालाब जिसकी अनुमानित लागत लगभग 72 लाख है, का भूमिपूजन करने की पश्चात विशाल जन समुदाय को संबोधित करते हुए सीधी लोकसभा संसदीय क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि सीधी लोकसभा संसदीय क्षेत्र को एक आदर्श संसदीय क्षेत्र के रूप में विकसित करेंगे। जिसके अंतर्गत आने वाली सभी आठो विधानसभाओं के मूलभूत ढांचे में सुधार करते हुए लोगों के लिए जनकल्याणकारी कार्यों को संचालित किया जाएगा। नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि मेरे स्वभाव में ही सेवा भाव है और अब मुझे सेवा के लिए और बड़ी जिम्मेदारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने सौपी है। मैं आप सभी को यह विश्वास दिलाता हूं कि आप के विश्वास पर खरा उतारूंगा।

सांसद डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि जल प्रकृति की बहुमूल्य धरोहर है। इसका संरक्षण, संवर्धन करना हम सभी की नैतिक जवाबदारी के साथ-साथ सामाजिक कर्तव्य भी है। इस दौरान सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने उपस्थित जनता जनार्दन का दोनों हाथ जोड़कर अभिनंदन करते हुए, मिले अपार स्नेह के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से क्षेत्रीय विधायक शरद कोल, शहडोल भाजपा जिला अध्यक्ष कमल प्रताप सिंह सहित वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मझौली मंडल ने फलों से तौला: नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा का व्यौहारी विधानसभा प्रवास के दौरान मझौली में मंडल द्वारा फलों से तौलकर उनका अभिनंदन किया। जिसमें मंडल अध्यक्ष प्रवीण तिवारी सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस ने 12 वर्षीय बालिका को सतना से खोज कर किया परिजनो के सुपुर्द

मीडिया ऑडीटर, सीधीनिप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ.रविन्द्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द्र श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में गुम बालक बालिकाओं के दस्तयाबी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय के नेतृत्व में 12 साल की अपहृता बालिका को कोतवाली पुलिस ने दस्तयाव कर परिजनों के चेहरे में लौटाई खुशी ।

कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर बताया गया कि फरियादी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि 8 मई 24 को मेरी लड़की चितरंगी से करीवन 9 बजे सुबह घर से बिना बताये सीधी आई एवं सीधी से कहीं चली गयी जो अभी तक घर वापस नहीं आई है। लगता है कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेरे नावालिग बालिका को बहला फुसला कर लें गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में धारा 363 भादवि का अपराध कायम कर विवेचना में लिया जाकर अपहृता की पता तलाश प्रारम्भ की गई जो 21 जून 24 को अपहृता बालिका को सतना से दस्तयाव कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

सिहावल में आधा सैकड़ा भैंस हुई चोरी, ग्रामीणो ने आरोपियों का निकाला जुलूश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। थाना अमिलिया चौकी सिहाबल क्षेत्र अंतर्गत ग्रामीणो नें भैंस चोरी हो जाने का गंभीर आरोप लगाया है। वो भी एक दो नही बल्कि आधा सैकड़ा से ज्यादा भैंस चोरी होने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों ने शक के आधार पर दो युवकों को बंधक बना कर बाजार क्षेत्र में जुलूस निकाला और फिर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। ग्रामीणो ने शंका जताई है कि उक्त घटना के तार अंतर्राष्ट्रीय पशु तस्करों से जुड़े हुए हैं।

हो रही चर्चा के आधार पर बताया गया कि जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर स्थित सिहावल जनपद इलाके के दर्जन भर गांव के रह वासियों की एक महीने के अंदर लगभग 50 से ऊपर भैंस चोरी हो गई हैं। इस इलाके में सोन नदी होने के चलते ग्रामीण जनों की भैंस गर्मी में दोपहर के वक्त सोन नदी में जाती हैं जहां से वापस घर नहीं आती बल्कि वहीं से चोरी हो जाया करती हैं। ग्रामीण जनों की माने तो उक्त प्रकरण को लेकर ग्रामींण थाना बहरी, अमिलिया एवं सिहावल पुलिस से कई बार न्याय की गुहार पूर्व में लगा चुके हैं, फिर भी परिणाम शुन्यवत ही हैं। तब ग्रामींण खुद प्रकरण के खुलासे की मंशा लिये रैकी करने लगें और शक के आधार पर दो युवको को गिरफ्त में ले लियें। अपुष्ट सूत्रो की माने तो पकड़े गए दोनों पशु तस्कर अंतर्राष्ट्रीय पशु तस्कर गिरोह के सदस्य हैं, यह सभी भैंस चोरी कर उनकी बिक्री किया करते थें। जिनके बैंक खाते में पैसे के लेनदेन से लेकर तमाम बातें दोनों युवाओं ने ग्रामीण जनों के सामने ही कबूल लिया था लेकिन पुलिस मामले में निष्पक्ष कार्यवाही नहीं कर रही है।

पन्ना में रथयात्रा का आगाज

स्नान यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ स्वामी को लगी लू, हुए बीमार, 15 दिन तक बंद रहेगा मंदिर

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। मंदिरों की नगरी पन्ना में भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा पुरी की तर्ज पर मनाने की वर्षों पुरानी है। शनिवार को भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर में भगवान की स्नानयात्रा संपन्न हुई, जिसमें स्नान के दौरान भगवान को लू लगने से वह बीमार पड़ गए और अब 15 दिन तक मंदिर के कपाट बंद रहेंगे। इस दौरान परंपरा अनुसार जड़ी बूटियों से भगवान इलाज किया जाएगा। इसी के साथ रथयात्रा का आगाज भी हो गया है।

दरअसल रथयात्रा के ठीक 15 दिन पहले 22 जून को भगवान की स्नान यात्रा का कार्यक्रम भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर में आयोजित किया गया। जहां स्नान यात्रा के दौरान भगवान को मंदिर के अंदर ले जाते समय लू लग गई और वह बीमार हो गए।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र को स्नान कराया गया। करीब ढाई सौ साल पुराने पन्ना के जगन्नाथ स्वामी मंदिर की यह परंपरा जगन्नाथ पुरी से जुड़ी हुई है। पूरे बुंदेलखंड की आस्था का केंद्र है। भगवान के बीमार पड़ जाने से अब 15 दिन तक जगन्नाथ स्वामी का मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेगा। भक्त भगवान के दर्शन नहीं कर पाएंगे। इस बीच भगवान को औषधियों का प्रसाद लगाया जाएगा।

पल्स पोलियो अभियान आज से, 192446 बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 23 जून से 25 जून तक पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान पांच साल तक के 192446 बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य तय किया गया है। हमारे जिले और देश से पोलियो का उन्मूलन हो चुका है, लेकिन देश के दो पड़ोसी देशों पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में पिछले साल तक पोलियो के केस मिले हैं।

इससे हमारे देश के बच्चों को भी पोलियो का खतरा बना हुआ है। बच्चों की सुरक्षा के लिए 23 जून को पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इसमें पांच साल तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस महाअभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा अन्य विभागों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। प्रथम दिवस पोलियो बूथ में अधिकतम बच्चों को पोलियो की दवा पिलायी जायेगी। किसी कारणवश बूथ न पहुंचने वाले बच्चों को घर-घर जाकर 24 तथा 25 जून को पोलियो की दवा पिलायी जायेगी। पोलियो की दवा पिलाने के दूसरे दिन यदि बच्चा अनुपस्थित मिलता है तो उसकी सूची तैयार कर एक सप्ताह के अंदर उसे दवा पिलाकर ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज किया जायेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आई जे गुप्ता ने बताया कि अभियान के दौरान 192446 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। पोलियो की दवा पिलाने के लिए जिले भर में 1207 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। इनमें दवा पिलाने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी तैनात रहेंगे। पोलियो बूथ आंगनवाड़ी केन्द्र, पंचायत भवन तथा स्कूलों में बनाए गए हैं। पोलियो की दवा पिलाने के लिए 32 ट्रांजिट टीमें तथा 9 मोबाइल दल भी तैनात किए गए हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, बड़े हॉट बाजारों, बड़े निर्माण स्थलों पर भी पोलियो की दवा पिलाने की व्यवस्था की गई है।

लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा 23 जून को, परीक्षा के लिए बनाये गये 03 केन्द्र

संभागीय प्रेक्षक ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले में लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा के लिए 03 केन्द्र बनाये गये हैं। यह परीक्षा 23 जून को आयोजित की जायेगी। प्रारंभिक परीक्षा के लिए नियुक्त संभागीय प्रेक्षक सेवानिवृत्त आईएएस केएम गौतम ने जिले के परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने प्रारंभिक परीक्षा के संबंध में लोक सेवा आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये।

प्रारंभिक परीक्षा में जिले में 1474 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 में 500, एसआईटी कालेज रीवा रोड जमोडी सीधी में 500 तथा शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में 474 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे।

उल्लेखनीय है कि परीक्षा दो पालियों में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक तथा दोपहर 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक होगी। परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में चेहरा ढककर तथा मोजे-जूते पहनकर प्रवेश नहीं कर सकेंगे। परीक्षार्थी अपने साथ पेंसिल, रबर, व्हाइटनर, घड़ी, हाथ में पहनने वाले बैंड, बेल्ट, धूप में पहनने वाले चश्मा तथा बालों को बांधने वाले क्लचर का भी उपयोग नहीं कर सकेंगे। लोक सेवा आयोग द्वारा प्रवेश पत्र में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हों। परीक्षा केन्द्र में मोबाइल, फोन, पेजर, डिजिटल डायरी, कैलकुलेटर, घड़ी, कम्पास, ग्राफ पेपर, स्केल तथा किसी भी प्रकार का पेपर नहीं ले जा सकेंगे।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से महिला की मौत

बरगवां के गोनर्स पोड़ी गांव में हुआ हादसा, गुस्साए परिजनों ने किया हंगामा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले के बरगवां थाना क्षेत्र के गोनर्स पोड़ी गांव के पास तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से शुक्रवार देर शाम एक महिला की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार पोंडी गांव निवासी दिसी सिंह गोंड (65) बाजार से खरीदारी करने के बाद शाम को घर लौट रही थी। तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप चालक ने महिला को टक्कर मार दी। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने महिला को उसके घर पहुंचाया।

गुस्साए परिजनों ने किया हंगामा: इसके बाद देर रात अचानक महिला की हालत खराब हुई और उसकी मौत हो गई। महिला की मौत होने से गुस्साए परिजनों ने हंगामा खड़ा कर दिया, जिससे काफी देर तक गांव में तनाव का माहौल रहा।

विचार

कबीर का मार्ग एक विशेष खोज है

कबीर जी एक ऐसे आदर्श संत इस देश में हुए हैं जो स्पष्टवादी निर्भीक त्यागी थे। 'संतो देखत जग बौराना सांच कहै तो मारन धावे झूठे जग पतियाना' कबीर जी समाज की सच्चाइयों से मुंह मोड़ने वाले संत नहीं हुए, वे समाज की बुराइयों पर करारी चोट करते थे। कबीर जी को पाखंडवाद से चिढ़ थी। कबीर जी एक ऐसे कवि थे जिन्होंने समाज की पीड़ा को समझा और सुना ही नहीं अपितु उन्होंने अन्याय, अत्याचार का मुकाबला भी किया। 'कबीर खड़ा बाजार में लिए लुखाठी हाथ, जो घर अपना फूंक सके चले हमारे साथ' कबीर ने जाति-पाति, ऊंच-नीच, धनी-गरीब, मुल्ला-पंडित आदि के भेद पर निर्भय होकर प्रहार किया। कई बार कबीर को समर्थ लोगों की प्रताड़ना सहनी पड़ी परन्तु कबीर सत्य के लिए अखंड एवं अडिग रहे और संघर्ष करते रहे। कबीर के संदेश को अगर छुपाया नहीं गया होता, उसको बंद कोठरी में न डाला गया होता, कबीर की वाणी शोषक सामन्तों की षड्यंत्र का शिकार नहीं हुई होती तो आज भारत की संस्कृति, इसकी सामाजिक स्थिति और आर्थिक गतिविधियां आज से एकदम भिन्न होतीं। हिंदुस्तान एक बेहद खूबसूरत तस्वीर होता। कबीर की एक प्रमुख रचना बीजक सद्ग्रन्थ है। 'बीजक बित्त बतावै जो बित्त गुप्त होय शब्द बतावै जीव को बुझे बिरला कोय'। मानव दस इन्द्रियों ग्यारहवें मन का दमन करके परमशक्ति को प्राप्त करने के लिए 11 प्रकरणों से विन्यस्त, अध्यात्मक ज्ञान का महान अद्भुत आध्यत्मिक ग्रंथ बीजक सद्गुरु ने बनाया है। बीजक में रमैनी, शब्द, ज्ञान, चौंतीसा, विप्रमतीसी, कहरा, बसंत, चाचर, बेली, बिरहुली, हिंडोला और साखी-ये ग्यारह प्रकरण हैं। मनुष्य शरीर कर्मों की भूमिका होने के कारण जीव जन्म-मृत्यु के प्रवाह में बहता रहता है। जीवों को इस 84 के अपार दुखों से छुड़ाने के लिए कबीर ने बीजक में चौरासी रमैनी कही है। वहीं ज्ञान चौंतीसा में वाणी जाल से मनुष्य को स्वतंत्र विचार करके यथार्थ पाप-पुण्य तथा सत्यासत्य समझेगा। 'चौंतीसा अक्षर से निकले जोई, पाप पुण्य जानेगो सोई' बीजक के ग्यारहवें प्रकरण में साखी कही है 'साखी आंखी ज्ञान की समुझी देखी मन माहीं, बिन साखी संसार का झगड़ा छूटत नाहीं' साखी साक्षी (गवाह) का सच है, निष्पक्ष है, ये ज्ञान रूपी आंख है इनके द्वारा सत्य का निष्पक्ष दर्शन कराया जाता है। बीजक का दूसरा प्रकरण प्रसिद्ध प्रकरण शब्द है जिसको आज देश-विदेश में संगीत के साथ गाया जाता है। एक शब्द में कबीर ने साफ-साफ चेतावनी दी है कि एक जीव को अपने सभी कर्मों का फल भुगतना होगा चाहे वह कोई भी हो। 'झूठे बी जन पतियाऊ हो सुन संत सुजाना, तेरे घट ही में ठगपुर बसे मति खोहू अपाना' जीव अपने आप को न भूले जो कुछ है जीव में है।-

बाहरी बनाम उड़िया की जंग में खेत रहे नवीन

उमेश चतुर्वेदी

साल 2000..संसद का बजट सत्र चल रहा था..मार्च के पहले हफ्ते का कोई दिन था..लोकसभा में मंत्रियों वाली सीट की ओर एक सांसद धीरे-धीरे बढ़ रहा था..उस शख्स को देख लोकसभा की प्रेस गैलरी में हलचल मच गई..इस हलचल पर नीचे बैठे कुछ सांसदों की निगाह पड़ी..उनकी भी निगाह उसी ओर चली गई, जिधर रिपोर्टर देख रहे थे..इस बीच तत्कालीन सत्ताधारी गठबंधन के सांसदों की हथेलियां मेजों को थपथपाने लगीं..देखते ही देखते इस हथेली कोरस में समूचे सदन की हथेलियां जुड़ गईं..क्या सत्ता पक्ष, क्या विपक्ष, हर सांसद की थपेली जैसे एक लय में मेजों को थपथपाने लगीं थी..इस कोरस में शामिल नहीं था, तो संसद के कर्मचारी और अधिकारी, जिन्हें नियम-कानून इसकी अनुमति नहीं देते..सांसदों के इस अभूतपूर्व स्वागत से उस शख्सियत का अभिभूत होना स्वाभाविक था

..इस औचक घटना के बाद वह व्यक्ति विनम्रता से और भर उठा.. वह शख्सियत थे वाजपेयी सरकार के इस्पात मंत्री नवीन पटनायक...फरवरी 2000 में हुए उड़ीसा विधानसभा चुनाव में उनकी अगुआई में बीजू जनता दल ने 117 सदस्यीय विधानसभा में 68 सीटें जीत कर कांग्रेस के गढ़ को ध्वस्त कर दिया..अपने अस्तित्व के बाद बीजू जनता दल का वह पहला विधानसभा चुनाव था, जिसमें उसकी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी थी, जिसने 38 सीटें जीती थीं..तब उड़ीसा में नया इतिहास रचा गया। राज्य के कद्दावर नेता रहे बीजू पटनायक के इकलौते इंजीनियर बेटे के तूफान में बंगाल की खाड़ी के किनारे की धरती से कांग्रेस उड़ गई। तब नया इतिहास रचा गया था। उस जीत के नायक का लोकसभा में सम्मान के लिए अगर उस कांग्रेस के सांसदों को भी मजबूर होना पड़ा था, उसकी वजह सिर्फ जीत नहीं, बल्कि उस शख्स की सादगी और विनम्रता रही। यह विनम्रता विगत 13 जून को भी भुवनेश्वर में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी दिखी, जब भूतपूर्व शासक के रूप में नवीन पटनायक शपथ मंच पर पहुंचे। इसे संयोग कहें या कुछ और कि जिस बीजेपी की बैसाखी के सहारे नवीन पटनायक ने उड़ीसा में नया इतिहास रचा, उसी बीजेपी ने ठीक 24 साल बाद नवीन पटनायक को भूतपूर्व बना दिया। अठारहवीं लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में मिले सदमे से जब बीजेपी जूझ रही थी, उसी वक्त उड़ीसा ने पार्टी को सांत्वना देने का काम किया। राज्य की 21 लोकसभा सीटों में बीस पर एकतरफा जीत हासिल करके राज्य को एक तरह से कांग्रेस मुक्त बना दिया। विपक्ष को मिली इकलौती सीट नवीन पटनायक को मिली। इतिहास हमेशा विजेता का ही है। इस लिहाज से देखें तो आज के उड़ीसा का इतिहास बीजेपी का है। लेकिन सवाल यह है कि नवीन पटनायक ने गलती कहां की? नवीन पटनायक ने विवाह नहीं किया है। उनके पिता बीजू पटनायक पहले कांग्रेस में थे, बाद के दौर में वे जनता परिवार की अहम हस्ती रहे। जनता दल के नेता के रूप में राज्य के मुख्यमंत्री बने। जब तक बीजू पटनायक जिंदा रहे, तब तक नवीन अमेरिका में इंजीनियर की नौकरी करते रहे। लेकिन उनके निधन के बाद नवीन ने नई पार्टी बनाई और बीजू पटनायक की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया। 2000 के चुनावों में जिस बीजेपी के साथ वे सत्ता की सीढ़ी नापने में कामयाब रहे, उस बीजेपी से उन्होंने बाद के दिनों में अपना रिश्ता तोड़ लिया और देखते ही देखते उड़ीसा के सबसे लोकप्रिय शख्सियत बन गए। यह लोकप्रियता बाद के हर चुनाव में दिखी, चाहे वह विधानसभा का हो या लोकसभा का या फिर पंचायती चुनाव। लेकिन अपने आखिरी कार्यकाल में उन्होंने गलतियां शुरू की। तमिलनाडु मूल के आईएएस अधिकारी वीके पांडियन उनके करीबी बनकर उभरे। विधानसभा चुनावों के ठीक पहले पांडियन ने इस्तीफा दे दिया और बीजू जनता दल में नवीन के अघोषित उत्तराधिकारी के रूप में उभरते चले गए। उन्होंने चुनाव अभियान में खूब मेहनत की। उड़ीसा में यहां तक माना जाने लगा था कि आने वाले दिनों में अगर बीजू जनता दल को जीत मिलती है तो नवीन सिर्फ नाम मात्र के मुख्यमंत्री होंगे और पांडियन असली मुख्यमंत्री होंगे। जिस उड़ीसा के लोग पूरे देश में रोजगार और पढ़ाई के लिए फैले हुए हैं, जहां के सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की तूती अमेरिका के सिलिकॉन वैली तक में बोलती है, उसी उड़ीसा के लोगों का अपना स्वाभिमान जाग उठा। उन्हें नवीन पटनायक तो पसंद रहे, लेकिन उनके उत्तराधिकारी के रूप में वी के पांडियन पसंद नहीं रहे। उड़िया बनाम बाहरी का नारा लगा और भारतीय जनता पार्टी ने इसे जन नारा बना दिया। इसका असर यह हुआ कि बीजेपी ने उस नवीन पटनायक को किनारे लगा दिया, जिन्होंने कभी उसका हाथ झटककर उसे किनारे लगा दिया था। वी के पांडियन की पत्नी भी उड़ीसा में आईएएस अफसर हैं। सुजाता कार्तिकेयन और पांडियन की जोड़ी पिछले पांच साल में सबसे ज्यादा प्रभावी हुई। उड़ीसा ऐसा राज्य है, जहां कम पढ़े लिखे, और कई बार अनपढ़ आदिवासी आबादी के साथ ही सवर्ण और पढ़े-लिखे प्रभावी लोगों का बेहतर अनुपात है। आदिवासी समुदाय में चर्चों का प्रभाव है। चर्च के प्रभाव को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद यहां गहरे तक सक्रिय है। संघ विचार परिवार के मजबूत सांगठनिक पहुंच और पकड़ के चलते देखते ही देखते बीजेपी ने भी गांव-गांव तक अपनी पैठ बना ली। नवीन पटनायक की चूंकि उम्र बढ़ रही है और वे शादीशुदा नहीं है। लिहाजा मौजूदा चलन के मुताबिक, उनकी विरासत को बढ़ाने के लिए उनके परिवार में कोई रहा नहीं। बीजू जनता दल का संगठन भारतीय जनता पार्टी की तरह नहीं रहा, लिहाजा वहां दूसरी पंक्ति का नेतृत्व उभर नहीं पाया। पांडियन और उनकी बढ़ती दखलंदाजी और प्रभाव के चलते बीजू जनता दल के कद्दावर नेता अलग होते चले गए। उनमें से ज्यादातर ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। इस बीच बीजेपी ने आदिवासी समुदाय में अपनी पैठ बनाई। आदिवासी समुदाय की द्रौपदी मुर्मू को देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान कराया। चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आता गया, बीजेपी ने स्थानीय बनाम बाहरी के मुद्दे को खूब उछाला। हालांकि शुरूआत में ऐसा नहीं लग रहा था कि नवीन पटनायक को बड़ी चुनौती मिल सकेगी। बड़े से बड़े राजनीतिक पर्यवेक्षक यही मान रहे थे कि बहुत होगा तो लोकसभा में बीजेपी की सीटें बढ़ जाएगी। विधानसभा में भी बीजेपी की ताकत बढ़ेगी, लेकिन राज्य की सत्ता नवीन बाबू के ही हाथ रहेगी। लेकिन स्थानीय बनाम बाहरी के मुद्दे के साथ ही बीजू जनता दल के नेताओं के पलायन से उड़ीसा में संदेश गया कि अगर नवीन बाबू को जीत मिलती भी है तो उनके हाथ सत्ता नहीं रहेगी। उन पर शासन करने वाला उनका अपना नहीं, तमिलनाडु का नेता होगा। बीजेपी ने चुनाव अभियान में इसे बार-बार उछाला। नवीन पटनायक 77 साल के हो गए हैं। उनका स्वास्थ्य भी साथ नहीं देता। राज्य में यह भी माना जाने लगा कि उनके स्वास्थ्य की ठीक से देखभाल नहीं की गई। दबी जुबान से यह भी कहा जाता रहा कि उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली दवाएं दी गईं। बीजेपी ने तो अपने चुनाव अभियान में वादा तक किया कि अगर वह सत्ता में आती है तो वह नवीन बाबू के स्वास्थ्य की उच्चस्तरीय जांच कराएगी। इससे पांडियन को लेकर रोष बढ़ा। जिसका नतीजा बीजू जनता दल की सत्ता से विदाई के रूप में सामने है। अगर नवीन पटनायक ने अपने ही दल से अपना कोई उत्तराधिकारी चुना होता, दूसरी पंक्ति का नेतृत्व उभारने की पुरानी तैयारी किए होते तो शायद चुनावी नतीजे उनके लिए इतने खराब नहीं होते। सत्ता से बीजू जनता दल के बाहर होने के बाद माना जा रहा था कि राज्य में नेता प्रतिपक्ष का पद नवीन पटनायक वी के पांडियन को दे सकते हैं। हालांकि पांडियन ने बीजू जनता दल की हार के चलते राजनीति से संन्यास का ऐलान कर दिया है। ऐसे में लग रहा था कि नवीन पटनायक नेता प्रतिपक्ष का पद किसी और को भी दे सकते हैं। लेकिन उन्होंने राजनीतिक पर्यवेक्षकों को चौंकाते हुए खुद को विधानसभा में विरोधी दल का नेता घोषित कर दिया है।

पूंजीवादी व्यवस्था में उत्पन्न होने वाले खतरों को डॉ हेडगेवार ने पहचान लिया था

प्रह्लाद सबनानी

आज पूरे विश्व में पूंजीवाद की तूती बोल रही है। लगभग समस्त देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पूंजीवाद के सिद्धांत के आधार पर चला रहे हैं। मुक्त बाजार अथवा मुक्त उद्यम प्रणाली पूंजीवाद का दूसरा नाम है, जो उत्पादक संसाधनों पर निजी स्वामित्व के हक को मानते हुए देश में आर्थिक विकास को गति देने की नीति को अपनाती है। पूंजीवादी सिद्धांत के जनक कहे जाने वाले एडम स्मिथ का कहना था कि अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक धनकुबेर पैदा होने चाहिए, इससे अंतत: वह देश विकसित देश की श्रेणी में शामिल हो सकता है। अत: देश में धनकुबेर पैदा करने में शासन द्वारा आर्थिक नीतियों को उद्योगपतियों के हित में बनाया जाना चाहिए। इस सम्बंध में एडम स्मिथ ने वेल्थ आफ नेशन नामक सिद्धांत भी प्रतिपादित किया था, जिसमें यह कहा गया था कि बाजार को चलाने में किसी अदृश्य शक्ति की भूमिका होती है। इस अदृश्य शक्ति में शासन की नीतियों को भी शामिल किया जा सकता है। पूंजीवादी सिद्धांत पर आधारित आर्थिक नीतियों को अमेरिका में बहुत उत्साहपूर्वक लागू किया गया था। 1950 के दशक के बाद अमेरिका में इन सिद्धांतों के अनुपालन के पश्चात अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विकास दर बहुत तेजी से आगे बढ़ी और शीघ्र ही अमेरिका विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो गया था। हालांकि, इस आर्थिक विकास के परिणामस्वरूप देश में आर्थिक असमानता भी उतनी ही तेज गति से बढ़ती है क्योंकि देश में आर्थिक नीतियों को एक वर्ग विशेष को आगे बढ़ाने की दृष्टि से विकसित किया जाता है, इससे अमीर और अधिक अमीर होते चले जाते हैं एवं गरीब और अधिक गरीब होते चले जाते हैं । विश्व में साम्राज्यवाद का सिद्धांत सबसे पुराना माना जाता है। शक्ति एवं प्रभुत्व बढ़ाने की राज्य की नीति मानी जाती रही है और इसकी समय समय पर वकालत भी की जाती रही है। कुछ क्षेत्रों पर प्रत्यक्ष रूप से अधिग्रहण करके एवं कुछ क्षेत्रों पर राजनैतिक एवं आर्थिक नियंत्रण करके कुछ राज्य अपने वर्चस्व को बढ़ाते रहे हैं। ब्रिटिश शासन ने भी इसी सिद्धांत का अनुसरण करते हुए दुनिया के कई देशों पर अपना राज्य कायम कर लिया था। इस सिद्धांत के अनुपालन से भी जिन राज्यों पर सत्ता स्थापित की जाती है उन

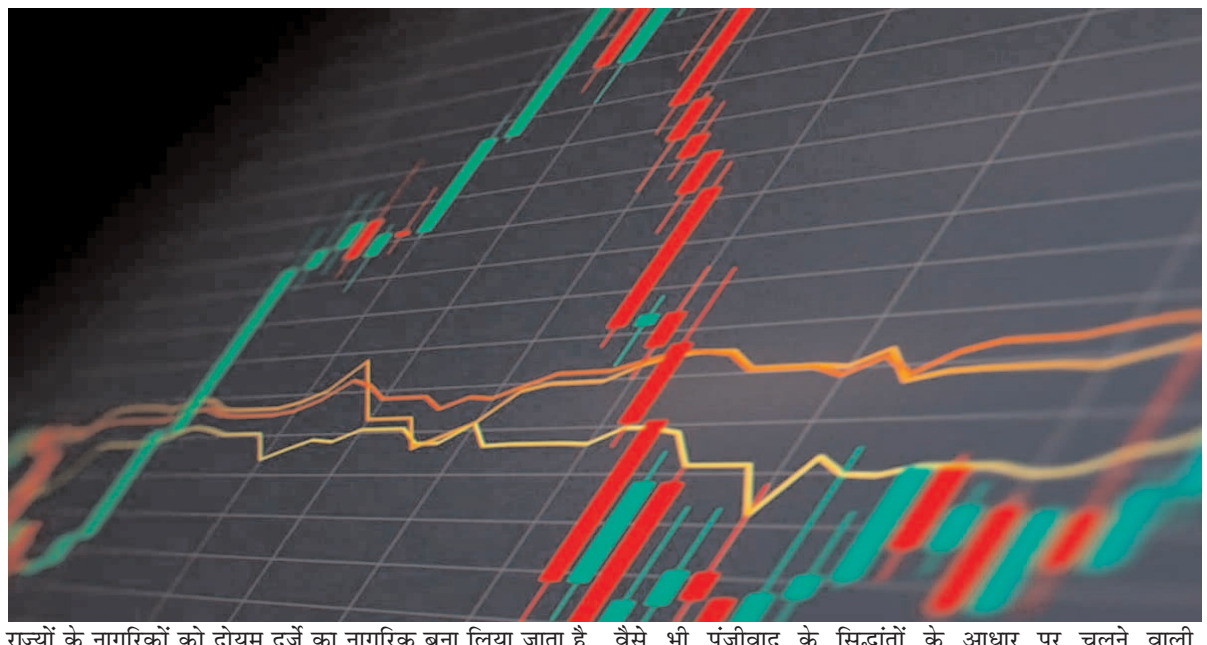

राज्यों के नागरिकों को दोयम दर्जे का नागरिक बना लिया जाता है और उनका शोषण किया जाता है। इस शासन प्रणाली में भी गरीब और अधिक गरीब हो जाते हैं और राज्य करने वाले देश के नागरिक शोषित राज्यों के संसाधनों का अति शोषण करते हुए इन्हें अपने हित में उपयोग करते हैं और वे स्वयं अमीर से और अधिक अमीर बनते चले जाते हैं। पूंजीवाद के सिद्धांतों का अनुपालन करने वाले कुछ देशों, विशेष रूप से अमेरिका के विकसित देश हो जाने के पश्चात, ने भी बाद के समय में साम्राज्यवाद का चोला पहिन लिया था। इन पूंजीवादी देशों ने छोटे छोटे गरीब देशों के संसाधनों पर व्यापार के माध्यम से अपना हक जताना प्रारम्भ कर दिया था। शोषण करने वालों के केवल नाम बदल गए थे, क्योंकि राज्यों के स्थान पर अब पूंजीपति इन देशों के नागरिकों एवं संसाधनों का शोषण करने लगे थे। एक तरह से पूंजीवाद स्वयं ही राजा बन बैठा। वैसे भी पूंजीवाद के सिद्धांतों के आधार पर चलने वाली अर्थव्यवस्था में येन केन प्रकारेण लाभ कमाना ही मुख्य लक्ष्य होता है, चाहे इसके लिए किसी वर्ग अथवा देश का शोषण ही क्यों न करना पड़े।

एक आर्थिक प्रणाली के रूप में पूंजीवाद की उत्पत्ति 16वीं शताब्दी में मानी जा सकती है। इंग्लैंड में 16वीं से 18वीं शताब्दी तक, कपड़ा उद्योग जैसे बड़े उद्यमों के औद्योगिकीकरण ने एक ऐसी प्रणाली को जन्म दिया जिसमें उत्पादकता बढ़ाने के लिए संचित पूंजी का निवेश किया गया और उद्योगपतियों ने मजदूरों का शोषण प्रारम्भ कर अधिक लाभ अर्जित करना प्रारम्भ किया। इस प्रकार किसी एक व्यक्ति को पूंजीवाद का आविष्कार करने वाला नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि पूर्ववर्ती पूंजीवादी प्रणालियां प्राचीन काल से ही अस्तित्व में थीं। चूंकि पूंजीवादी सिद्धांतों के अनुपालन में कुछ देश तेजी से विकास कर रहे थे एवं कुछ अन्य देशों का अति शोषण हो रहा था और पूंजीवाद एक तरह से विश्व के कई देशों में फैल रहा था अत: पूंजीवाद के साम्राज्यवाद के पद चिन्हों पर आगे बढ़ने के कारण डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने वर्ष 1920 में नागपुर में आहूत किए जाने वाले कांग्रेस के अधिवेशन में प्रस्ताव समिति के सामने एक प्रस्ताव रखने का प्रयास किया था। इस प्रस्ताव में दो विषयों का उल्लेख किया गया था। एक, कांग्रेस को यह वादा करना चाहिए कि वह अंग्रेजों से भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के नीचे कुछ भी स्वीकार नहीं करेगी और दूसरे, पूरे विश्व को पूंजीवादी नीतियों से मुक्ति दिलायी जाएगी। परंतु, दु:ख का विषय है कि उस समय के कांग्रेस के नेताओं ने डॉक्टर हेडगेवार के उक्त प्रस्ताव को प्रस्ताव समिति से आगे बढ़ने ही नहीं दिया एवं यह प्रस्ताव कांग्रेस अधिवेशन में भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस प्रकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय प्रथम संघचालक डॉक्टर हेडगेवार ने वर्ष 1920 के पूर्व ही पूंजीवाद से उत्पन्न होने वाले खतरों को पहचान लिया था तथा वे पूंजीवाद की आड़ में विश्व में फैल रहे साम्राज्यवादी नीतियों के भी घोर विरोधी थे। साम्राज्यवादी नीतियों के अंतर्गत कुछ पूंजीवादी देश, विश्व के अन्य गरीब देशों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे। ब्रिटेन ने भी भारत पर ईस्ट इंडिया कम्पनी के माध्यम से ही आधिपत्य स्थापित किया था। शुरुआती दौर में तो ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कम्पनी भी भारत में व्यापार करने के उद्देश्य से ही आई थी। परंतु, बाद का खंडकाल गवाह है कि किस प्रकार भारत के संसाधनों का ब्रिटेन के हित में उपयोग किया गया। अति तो तब हुई जब ब्रिटेन ने भारत के हथकरघा उद्योग को ही तबाह कर दिया। भारत में सस्ती दरों पर कपास खरीद कर वे ब्रिटेन ले जाने लगे एवं ब्रिटेन में कपड़ा मिलों की स्थापना की गई ताकि इस कच्चे माल (कपास) से कपड़ों का निर्माण किया जा सके एवं ब्रिटेन में रोजगार के अवसर निर्मित हो सकें। इस कपड़े को वापिस भारत में लाया जाकर भारतीय जनता को उच्च दरों पर बेचा जाने लगा। भारत से कच्चा माल (कपास) ले जाकर, भारत में ही ब्रिटेन में तैयार उत्पाद (कपड़ा) बेचा जाने लगा, अत: भारत को एक बाजार के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा था।

रिश्वत लेते हुए एडीएम को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, अंबिकापुर निप्र। एसीबी की बड़ी कार्यवाही उदयपुर एसडीम सहित चार गिरफ्तार रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ाए।शासन की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम के अनुकम में एन्टी करप्शन ब्यूरो इकाई अंबिकापुर के द्वारा उदयपुर जिला सरगुजा के एसडीएम भागीरथी खाण्डे सहित 04 लोगों को 50000 रूपये की रिश्वत लेते हुए पकड़कर बड़ी कार्यवाही की गयी। कन्हाई राम बंजारा निवासी ग्राम जजगा वार्ड नं. 13 तहसील उदयपुर जिला सरगुजा के द्वारा एसीबी इकाई अंबिकापुर में यह शिकायत प्रस्तुत की गयी थी कि ग्राम जजगा स्थित भूमि खसरा नं. 69/31, 70/1 एवं 1004/8 रकबा कमशः 0.251, 0.635 एवं 0.243 हेक्टे, जमीन उसके तथा परिवार के अन्य सदस्यों के नाम पर है तथा कई वर्षों से उस पर मकान बनाकर काबिज है किन्तु उसके बड़े पिता द्वारा जमीन को केवल अपने नाम पर दर्ज कराने हेतु तहसील में आवेदन प्रस्तुत किया गया था जिस पर प्रार्थी द्वारा आपत्ति दर्ज की गयी थी जिस पर तत्कालीन तहसीलदार उदयपुर के द्वारा उसके बड़े पिता, उसके तथा अन्य परिजनों के नाम पर राजस्व रिकार्ड दुरुस्त किये जाने हेतु 21 सितम्बर 2022 को आदेश किया गया था।

उक्त आदेश के उपरांत उसके बड़े पिता के द्वारा पुनः 09 नवम्बर 2022 को एसडीएम उदयपुर के पास आदेश 21 सितम्बर 2022 के विरूद्ध अपील प्रस्तुत किया गया था जिसके संबंध में प्रकरण लंबित है। उक्त प्रकरण में उसके तथा उसके अन्य परिजनों के पक्ष में आदेश पारित करने के एवज में एसडीएम उदयपुर बी.आर. खाण्डे के द्वारा 50 हजार रूपये रिश्वत के रूप में मांग की जा रही है किन्तु वह एसडीएम को रिश्वत न देकर उसे रंगे हाथ पकड़वाना चाहता है। एसीबी इकाई अंबिकापुर को शिकायत प्राप्त होने पर शिकायत का सत्यापन कराये जाने पर शिकायत कर्ता की शिकायत सही पायी गयी तथा एसडीएम उदयपुर बी.आर. खाण्डे को रिश्वती रकम लेते वक्त पकड़ने की योजना बनायी गयी। आज दिनांक 21 जून 2024 को प्रार्थी को आरोपी एसडीएम को रिश्वती रकम देने हेतु एसडीएम कार्यालय उदयपुर शाम करीब 06:00 बजे भेजा गया जिस पर प्रार्थी द्वारा रिश्वत लेन देन के संबंध में एसडीएम से चर्चा करने पर एसडीएम के द्वारा रिश्वती रकम 50 हजार रूपये को अपने बाबू धरमपाल को लेने हेतु कहा गया जिस पर धरमपाल के द्वारा भृत्य अबीर राम को रिश्वती रकम को अपने पास रख लेने हेतु कहा गया जिसे अबीर राम ने अपने हाथों में ले लिया तथा रिश्वती रकम लेने के पश्चात वह एसडीएम के पास जाकर बोला कि प्रार्थी कन्हाई राम से रिश्वती रकम 50 हजार रूपये उसने प्राप्त कर लिया है तो एसडीएम द्वारा कहा गया कि उस रकम को गार्ड नगर सैनिक कविनाथ सिंह को दे दे जिस पर नृत्य द्वारा रिश्वती रकम को एसडीएम के गार्ड नगर सैनिक कविनाथ सिंह को दे दिया गया। इसी दौरान पहले से मुस्तैद एसीबी की टीम द्वारा त्वरित ट्रेप कार्यवाही कर रिश्वती रकम को बरामद कर लिया गया तथा एसडीएम बी.आर.खाण्डे, उनके बाबू, भृत्य एवं नगर सैनिक कविनाथ सिंह को अभिरक्षा में ले लिया गया। उक्त के पकडे जाते ही एसडीएम कार्यालय में हड़कंप मच गया। इस कार्यवाही का एक अमानवीय महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रार्थी के पक्ष में आदेश करने के एवज में आरोपी एसडीएम ने प्रार्थी एवं उसके परिजनों की ओर से ग्राम जजगा तहसील उदयपुर स्थित 50 डिसमिल जमीन को भी अपने महिला परिचितों के पक्ष में बिक्री आदि करने संबंधी पावर ऑफ अटार्नी निष्पादित करा लिया था ताकि भविष्य में उक्त जमीन को अपने पक्ष में करा सके। संबंधित पावर ऑफ अटार्नी की प्रति भी एसीबी के हाथ लग गयी है। समस्त आरोपियों की संपत्तियों के संबंध में भी एसीबी के द्वारा गहन जांच प्रारंभ कर दी गयी है जो महत्वपूर्ण खुलासे होने की प्रबल संभावना है। आरोपियों के विरूद्ध धारा 7, 12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है। रिश्वत खोरों के विरूद्ध ऐसी कार्यवाही सतत जारी रहने की बात एसीबी द्वारा कही गयी है, तथा रिश्वत मांगने वालों के विरूद्ध लोगों को सामने आने की अपील भी एसीबी की ओर से की गयी है।

महिला से मंगलसूत्र स्नैचिंग का वीडियो

सूनी गली में अंधेरे का फायदा उठाकर की थी वारदात, महाराष्ट्र-एमपी के दो आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में सुनसान रास्ते में महिला के गले से मंगलसूत्र स्नैचिंग करने वालों बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लुटेरे महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। वारदात का ब्ल्न्ट वीडियो भी सामने आया है। जिसमें दिख रहा है कि एक लुटेरा चेहरे पर कपड़ा बांधे हुए कुछ दूर तक महिला के आगे चला, फिर पलट कर मंगलसूत्र छीना और भाग निकला।

वारदात के बाद महिला ने चोर-चोर का शोर भी मचाया, लेकिन कुछ सेकेंड में ही लुटेरा बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। इस मामले में डीडी नगर पुलिस और एंटी क्राइम यूनिट ने शुक्रवार को 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही महिला से लूटा गया मंगलसूत्र भी बरामद कर लिया है।

10 जून की रात हुई थी महिला से लूटः घटना 10 जून की है। पीड़ित सरिता चंद्राकर ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वे शिव विहार कॉलोनी रायपुरा में रहती हैं। करीब रात 9 बजे वह पास की ही दुकान से कुछ सामान खरीदकर पैदल ही घर लौट रही थी। इस बीच एक युवक उनका पीछा करते हुए आया। उसने चेहरे पर स्कार्फ बांधा हुआ था। कुछ दूर आगे चलने के बाद वह पलटा और पास आ गया।

मंगलसूत्र लूटकर हुआ था फरारः बदमाश ने महज कुछ ही सेकेंड के भीतर महिला के मंगलसूत्र पर झपट्टा मारकर लूट लिया। इसके बाद तेजी से दौड़ते हुए बाइक से अपने साथियों के साथ भाग निकला। इस मामले में पीड़ित सरिता चंद्राकर की शिकायत के बाद डीडी नगर पुलिस और एंटी क्राइम यूनिट छानबीन ने जुट गईं। आसपास मौजूद ब्ल्न्ट कैमरों की मदद से बाइक और चोरों की पहचान की गई।

महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं आरोपीः पुलिस ने दो आरोपियों शैलेश किशन बागडे और नवीन मिश्रा को गिरफ्तार किया है। इनमें शैलेश महाराष्ट्र के गोंदिया का है, वहीं नवीन मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, लूट में एक अन्य आरोपी निखिल भी शामिल है। हालांकि फिलहाल वह गिरफ्त से बाहर है। आरोपियों के पास से पुलिस ने लूटा गया मंगलसूत्र बरामद कर घटना में इस्तेमाल बाइक जब्त की है।

जिला सहकारी बैंक में घोटाला

खुद की सैलरी तक नही कर पाए अकॉउंटेट और क्लर्क खर्च, बैंक को हुआ शक, ग्राहकों के निकाले रुपए

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के जिला सहकारी बैंक में 52 लाख का घोटाला हुआ है। इस मामले में बैंक के अकाउंटेंट और क्लर्क ने जब अपनी सैलरी लंबे समय तक खर्च करने के लिए नहीं निकाली। तो बैंक मैनेजर को शक हुआ। जिसके बाद विजिलेंस सेल की जांच पड़ताल में पूरे घोटाले का खुलासा हो गया। इस मामले में मौदहापारा थाना पुलिस ने अकाउंटेंट और क्लर्क को गिरफ्तार कर लिया है।

इस मामले को लेकर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मौदहापारा के ब्रांच मैनेजर शरद चंद्र गांगने ने थ्स् दर्ज करवाई। जिसमें उन्होंने पुलिस को बताया कि वो 18 मई 2023 से पोस्टेड है। अगस्त 2023 में बैंक की विजिलेंस सेल ने शाखा में पोस्टेड जूनियर क्लर्क चंद्रशेखर डग्गर और रिटायर्ड अकाउंटेंट अरुण कुमार बैसवाडे के बैंक अकाउंट की जांच की। जिसमें सैलरी के जमा होने के बावजूद लाखों रुपए का लेनदेन दिखा।

52 लाख का घोटाला दिखाः इस मामले में आगे की जांच पड़ताल करने पर 2017 से 2022 के बीच बैंक में एफडी खातों और अन्य खातों में ब्याज की हेराफेरी दिखी। जो करीब 52 लाख की थी। इसमें कई ग्राहकों के भी अकॉउंटेंट थे। जिन्हें आरोपी अरुण बैसवाडे, चंद्रशेखर डग्गर और एक अन्य कर्मचारी संजय कुमार शर्मा की मिलीभगत से खुद के लिए इस्तेमाल किया गया।

बाइक सवार युवक पर पलटा कंटेनर

शरीर का आधा हिस्सा नीचे दबा, हाइवे पर लगा जाम,दर्द से तड़पते क्रेन का करता रहा इंतजार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर के नेशनल हाइवे पर बाइक सवार के ऊपर एक कंटेनर पलट गया। जिससे युवक के शरीर का आधा हिस्सा कंटेनर पर दब गया। वो दर्द में तड़पते हुए क्रेन का इंतजार करता रहा। जिससे हाइवे पर करीब 1 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। घटना टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को बाहर निकालकर एप्डै अस्पताल में भर्ती करवाया है। फिलहाल, बाइक सवार घायल युवक की पहचान नहीं हो पाई है।

यह घटना शनिवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे की है। एक बाइक सवार युवक तेलीबांधा ब्रिज से संतोषी नगर की तरफआ रहा था। इस दौरान करीब से एक कंटेनर लोड ट्रेलर गुजर रहा था। ट्रेलर के सामने सवारी बस ने अचानक ब्रेक मार दिया।

जिसके बाद ट्रेलर ने ब्रेक मारा, तो उसमें लोड कंटेनर बाइक सवार के ऊपर पलट गया। जिससे युवक के शरीर के कमर का निचला हिस्सा बुरी तरह दब गया।

मदद के लिए तड़पता रहाः इस दौरान युवक मदद के लिए दर्द में तड़पता दिखा। आसपास से गुजरते लोग मदद के लिए रुके, लेकिन कंटेनर भारी होने की वजह से कोई कुछ नहीं कर पाया। इसके बाद लोग क्रेन का इंतजार करने लगे। सूचना मिलने पर टिकरापारा पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। युवक को गंभीर हालात में एम्स अस्पताल भिजवाया गया है।

नेशनल हाईवे पर लगा रहा जामः इस दौरान तेलीबांधा से संतोषी नगर चौक के बीच नेशनल हाईवे पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई। पुलिस भीड़ को हटाने के लिए लगातार कोशिश करते दिखी। फिलहाल, इस मामले में टिकरापारा पुलिस घायल युवक की पहचान में जुटी है।

पति ने पैर नहीं दबाया तो पत्नी ने लगाई फांसी

इंटरकास्ट मैरिज के कारण शव को गांव नहीं ले गए परिजन, बिलासपुर में अंतिम-संस्कार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में तबीयत खराब होने पर पति ने पैर नहीं दबाया तो गुस्से में आकर पत्नी ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि, महिला के कहने पति ने उसे जवाब दिया कि, पहले वह बर्तन साफकरेगा। बर्तन साफकरने के बाद वह अपनी तीन साल की बेटी को सुलाने लगा। इतने में उसकी पत्नी गुस्से में आकर दूसरे कमरे में चले गई। कुछ देर बाद पति कमरे में पहुंचा तो वह फांसी के फंदे पर लटकी मिली।

मामला तोरवा थाना इलाके के देवरीडीह का है। जहां बलौदाबाजार जिले के मोहतरा निवासी भूपेंद्र साहू किराए के मकान में परिवार के साथ रहता है। उसकी तीन साल की बेटी भी है। भूपेंद्र की पत्नी सुशीला की तबीयत कुछ दिन से खराब थी, जिसके कारण उसका पति भूपेंद्र घर का सारा काम कर रहा था।

पैर दबाने बोली पत्नी, देरी हुई तो लगा ली फांसीः गुरुवार की रात भूपेंद्र ने खाना बनाया और परिवार के साथ खाने बैठा था। इस दौरान उसकी पत्नी ने उसे पैर दबाने के लिए कहा। इस पर भूपेंद्र ने कहा कि वो पहले घर का काम करेगा, बर्तन भी साफ करना है। बर्तन साफकरने के बाद वो अपनी बेटी को सुलाने लगा। इतने में उसकी पत्नी को गुस्सा आ गया और दूसरे कमरे में चली गई। इस बीच भूपेंद्र की आंख लग गई। जब अचानक देर रात उसकी नींद खुली और वह दूसरे कमरे में गया तो उसकी पत्नी साड़ी का फंदा बनाकर फांसी पर झूल रही थी।

पुलिस ने ससुराल और मायके वालों को बुलायाः भूपेंद्र ने आनन-फानन में उसे फंदे से नीचे उतारा और प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई। शुक्रवार की सुबह शव का पंचनामा और पोस्टमॉर्टम से पहले पुलिस ने उसके ससुराल और मायके वालों को बुलाया।

ससुराल वालों ने शव ले जाने से किया इनकारः बताया जा रहा है कि भूपेंद्र साहू को उसके समाज के लोगों ने छोड़ दिया है। वह अपनी पत्नी को गांव ले जाकर अंत्येष्टि करना चाह रहा था लेकिन, उसके घरवालों ने शव को गांव ले जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद भूपेंद्र ने बिलासपुर में ही उसका अंतिम संस्कार किया।

पुलिस के मुताबिक सुशीला के मायके वालों ने उसकी मौत पर कोई शक और आरोप नहीं लगाया है। उन्होंने पुलिस से कहा कि उनकी बेटी गुस्सैल थी और जल्दी भड़क जाती थी। हालांकि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

दोनों ने की थी इंटर-कास्ट मैरिजः पुलिस की पूछताछ में पता चला कि साल 2018 में भूपेंद्र प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। वहीं, सुशीला भी पढ़ाई कर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान उनकी दोस्ती हुई और फिर उनके बीच प्यार हो गया। इसके बाद दोनों ने इंटर कास्ट लव मैरिज कर ली। दोनों अपने परिवार से अलग रहकर यहां किराए के मकान में रहने लगे। इस बीच उनकी एक बेटी भी हुई।

लगातार तीन दिन की बारिश के बाद तापमान में गिरावट

मानसून की दस्तक, 26 जून के बाद मूसलाधार बारिश के आसार

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग एजेंसी। दुर्ग जिले में मानसून ने दस्तक दे दी है। लगातार तीन दिन से शाम को बारिश हो रही है। 19 और 20 जून को तेज बारिश के बाद 21 जून को लगातार कई घंटे तक हल्की बारिश हुई। इससे तापमान धड़ाम से नीचे आ गया है। 22 जून को भी यहां बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक 20 जून को दुर्ग जिले में मानसून आने की संभावना है, लेकिन यहां एक दिन पहले 19 जून को ही तेज बारिश के साथ मानसून ने एंट्री कर ली है। जिले में सबसे अधिक अहिरवारा 30.5 मिमी. और उसके बाद भिलाई में 23.2 मिमी बारिश हो चुकी है। पूरे जिले की बात करे तो यहां 21 जून तक 53 मिमी बारिश हो चुकी है, जो एक अच्छी बारिश के संकेत हैं।

मौसम विभाग की माने तो तापमान रायगढ़ कोरबा की तरफ बढ़ गया है। इसलिए अब यहां 23-25 जून तक हल्की बारिश होगी। हवा की गति भी धीमी हो सकती है। मौसम विभाग की माने तो प्रदेश में आने वाले तीन से चार दिन के अंदर मानसून सभी जगह दस्तक दे देगा। यहां दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थियां बनी हुई है।

6 जिलों में बारिश का यलो अलर्टः मनसून अब पेंड्रा, कोरबा, रायगढ़ के साथ साथ बीजापुर और सुकमा जिले की तरफ बढ़ गया है। इसके साथ ही धमतरी, गरियाबंद, राजनांदगांव और दुर्ग जिले में भी मानसून सक्रिय है।

मौसम विभाग के मुताबिक मानसून ने पिछले 48 घंटे में पूरा मध्य छत्तीसगढ़ कवर करने के बाद उत्तरी हिस्से को भी टच कर लिया है। मौसम विभाग ने 6 जिलों गरियाबंद, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, कोंडागांव, कांकेर में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

सुबह सुबह लगने लग रही ठंडः लगातार बारिश से जिले में तापमान काफी कम हुआ है। रात के समय बारिश के चलते तापमान में इतनी गिरवाट आ जा रही है कि सुबह सुबह ठंड का अहसास होने लग जाता है। जहां लोग लाइट जाते ही गर्मी से बेहाल हो जा रहे थे उससे भी पूरी तरह से राहत मिली है।

बेटे की हत्या कर फांसी पर झूला पिता

देर रात उठकर घोंटा गला, 3 महीने पहले पत्नी की हुई थी मौत

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में बेटे की गला घोंटकर हत्या करने के बाद पिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 3 महीने पहले ही पत्नी की मौत हो चुकी है। जिसके बाद से वो डिप्रेशन में था। मृतक दीपेश उसके तीन बच्चो में सबसे बड़ा था। पिता ने पहले भी उसकी हत्या की कोशिश की थी। घटना सीतापुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, कोटछाल गांव निवासी देवकुमार (35) शुक्रवार की रात अपने बेटे दीपेश (5) के साथ कमरे में सो रहा था। फिर अचानक देर रात उठकर उसने बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी। फिर खुद फांसी लगा ली। शनिवार सुबह परिजन जब बच्चे को उठाने के लिए कमरे में गए, तब इसकी जानकारी लगी।

3 महीने पहले पत्नी की हो गई थी मौतः देवकुमार की पत्नी की तीन महीने पहले बीमारी के चलते मौत हो गई थी। करीब 6 महीने से देवकुमार की मानसिक स्थिति अच्छी नहीं थी। उसके तीन बच्चों में दीपेश सबसे बड़ा था। उसका तीन साल का एक बेटा और एक साल की बेटी दादी के साथ सो रहे थे।

एक महीने पहले तालाब में फेंका थाः देवकुमार ने करीब एक महीने पहले भी दीपेश को गांव के तालाब में फेंक दिया था, लेकिन पानी कम होने के कारण वो बच गया था। देवकुमार के पिता अमरविलास ने बताया कि, देवकुमार बच्चों को मार डालने की हद तक प्रताड़ित करता था। इस कारण वे बच्चों को उससे दूर रखते थे।

मामले की जांच में जुटी पुलिसः घटना की सूचना पर सीतापुर थाना प्रभारी भरतलाल साहू पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पिता-पुत्र के शवों को पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना से गांव में शोक है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बिना सूचना के लाइन अटैच कांस्टेबल गायब

चाकूबाज की मदद करने पर एसपी ने लिया था एक्शन, अब होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर जिला मुख्यालय में पदस्थ लाइन अटैच आरक्षक बिना सूचना के गायब हो गया है। एसपी रजनेश सिंह ने आरक्षक के खिलाफ एक्शन लेने रक्षित निरीक्षक को निर्देश दिए हैं। दरअसल, चाकूबाज की मदद करने पर आरक्षक को एसपी ने कुछ दिन पहले ही लाइन अटैच किया था। लेकिन, आदेश जारी होने के बाद भी उसने लाइन में अपनी हाजिरी नहीं दी है।

एसपी ऑफिस के डीएसबी शाखा में हेमंत सिंह आरक्षक के पद पर कार्यरत है। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर अनुराग सिंह ठाकुर का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो चाकू लहराते हुए एक आदमी को डराते-धमकाते दिख रहा था। वं चाकू दिखाकर उसे नचा रहा था। जिस पर एसपी रजनेश सिंह ने अनुराग सिंह के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

बचाने पहुंचा आरक्षक तो एसपी ने किया लाइन अटैचः बताया जा रहा है कि, आरक्षक के साथ अनुराग ठाकुर की पहले से पहचान थी। इसलिए वो उसे बचाने के लिए सिविल लाइन थाने पहुंच गया और टीआई को कार्रवाई नहीं करने के लिए कहा। लेकिन, एसपी के आदेश की बात कहकर टीआई प्रदीप आर्या ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया।

इधर, एसपी रजनेश सिंह को आरक्षक की हरकतों की जानकारी मिली, तब उन्होंने कांस्टेबल हेमंत सिंह को लाइन अटैच कर दिया था।

लाइन में जॉइन करने के बजाए हो गया गायबः एसपी के आदेश के बाद आरक्षक हेमंत सिंह को डीएसबी शाखा से कार्यमुक्त कर दिया गया। उसे पुलिस लाइन में हाजिरी देने के लिए कहा गया। लेकिन, उसने पुलिस लाइन में आमद नहीं दिया और बगैर सूचना के गायब हो गया।

आरआई बोले- एसपी ने मांगी है रिपोर्टः रक्षित निरीक्षक (आरआई) प्रमोद गुप्ता ने बताया कि, एसपी ने कांस्टेबल हेमंत सिंह को लाइन अटैच किया था। लेकिन, आदेश के बाद भी उसने आमद नहीं दिया है। एसपी रजनेश सिंह ने इसकी रिपोर्ट मांगी है, जिस पर आरक्षक को अनुपस्थित बताकर जानकारी दी गई है। वहीं, एसपी रजनेश सिंह ने कहा कि इस तरह से आदेश नहीं मानने वाले कांस्टेबल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जादू-टोना के शक में महिला की हत्या

फरसे से काटा था गला, आरोपी मां-बेटा और कोटवार गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही एजेंसी। गौरेला में महिला की गला काटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने 48 घंटे के अंदर ही मामले का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गांव के कोटवार और आरोपी मां-बेटे को गिरफ्तार किया है। जादू टोना के चलते युवक और उसकी मां ने महिला की हत्या की थी। पूरा मामला गौरेला थाना के भस्कुरा गांव के चिकनीटोला का है। जहां 19 जून को महिला मुन्नी बाई की लाश सड़क किनारे मिली थी। पुलिस ने बताया कि गांव के रहने वाले युवक कृष्णा मरावी और उसकी मां कवरिया बाई को शक था कि मुन्नी बाई जादू टोना करती है।

कोटवार ने महिला को पट्टा सुधारने के नाम पर बुलायाः मां-बेटे को पता था कि गांव के कोटवार विरासुलाल पड़नवार के महिला के अच्छे संबंध थे। प्लानिंग के अनुसार कोटवार ने मुन्नीबाई को पट्टा सुधारने के नाम पर फोन करके बुलाया। मुन्नीबाई जब कोटवार के पास जाने के लिए निकली तो आरोपी महिला ने इसकी जानकारी अपने बेटे को दी। जिसके बाद कृष्णा मरावी ने मुन्नी बाई पर फरसा से वार कर हत्या कर दी।

साइबर सेल की मदद से हुआ खुलासाः एसपी भावना गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने साइबर सेल की मदद ली। महिला के कॉल डिटेल निकाले गए। आखिरी बार महिला की कोटवार से बात हुई थी। कोटवार से पूछताछ करने पर आरोपी ने जुर्म स्वीकार कर लिया।

बिहार के सीवान में गंडक नहर पर बना ब्रिज गिरा

सीवान(एजेंसी)। बिहार में 5 दिनों में दूसरा पुल ढह गया। शनिवार सुबह सीवान के महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा और गरौली गांव के बीच गंडक नहर पर बना पुल अचानक टूट गया। एक पिलर के धंसते ही पुल भर-भराकर नहर में समा गया। हादसे का लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ दिख रहा है कि पिलर अपनी जगह से खिसकता है, धीरे-धीरे पुल धराशायी हो जाता है। पुल के टूटने से दो गांव के बीच का आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग ने नहर की सफाई कराई थी। नहर की मिट्टी काटकर बांध पर फेंकी गई थी। इस वजह से पुल का पिलर काफी कमजोर हो गया था, जिसके कारण टूट गया। इससे 5 दिन पहले अररिया के सिकटी में बकरा नदी पर बना पुल उद्घाटन से पहले मंगलवार को नदी में समा गया था। पुल 31 करोड़ रुपए की लागत से बना था। पिछले 13 साल में यह पुल तीसरी बार बन रहा था।

आंध्र के पूर्व सीएम के पार्टी ऑफिस पर चला बुलडोजर

अमरावती(एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की पार्टी का निर्माणाधीन ऑफिस राज्य सरकार ने बुलडोजर से गिरा दिया है। शनिवार सुबह 5.30 बजे यह कार्रवाई आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने की। गुंटूर के तड़ेपल्ली में यह आफिस 9,365 वर्ग फीट में बनाया जा रहा था। इस कार्रवाई की टाइमिंग की खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, सितंबर 2023 में जब वॉयएसआरसीपी की सरकार थी और जगनमोहन रेड्डी सीएम थे, तब टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायडू को सुबह 6 बजे उनके घर से गिरफ्तार किया गया था। सीआईडी ने भ्रष्टाचार के आरोप में चंद्रबाबू को अरेस्ट किया था। वॉयएसआरसीपी का ऑफिस भी 5:30 बजे तोड़ा गया। इससे पहले, हैदराबाद महानगर निगम ने रेड्डी के लोटस पॉन्ड आवास से लगे फुटपाथ पर अवैध निर्माण को तोड़ दिया। इसका उपयोग सुरक्षाकर्मी कर रहे थे। इसके अलावा वॉयएसआरसीपी को विशाखापत्तनम ऑफिस के अवैध निर्माण को लेकर एक और नोटिस मिला है। रेड्डी के आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के महज 10 दिन बाद यह कार्रवाई की गई। राज्य सरकार की एजेंसियों की इस कार्रवाई पर वॉयएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने कहा- आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री और टीडीपी सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू बदले की राजनीति कर रहे हैं। वे एक तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के उरी में सुरक्षाबलों ने दो आतंकी मार गिराए

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में शनिवार को सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को मार गिराया। घटना गोहलन इलाके में हुई। अधिकारियों के मुताबिक गोहलन में अब भी सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच फायरिंग हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने आतंकियों के एक समूह को उरी के गोहलन इलाके में घुसपैठ करते हुए देखा। सुरक्षाबलों ने उन्हें रुकने को कहा और उनकी घुसपैठ को नाकाम किया। इससे पहले 19 जून को जम्मू-कश्मीर के बारामूला के हादीपोरा में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच एनकाउंटर हुआ था, जिसमें दो आतंकी मारे गए, जबकि स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप का एक जवान और एक पुलिसकर्मी घायल हुए। 19 जून को ही जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रियासी से 45 साल के ओवर ग्राउंड वर्कर हकीम-उद-दीन को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि आरोपी आतंकियों का बड़ा मददगार है, जिसने रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस पर हमला करने में आतंकियों की मदद की थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 6000 रुपए में आतंकियों को पनाह दी थी। आतंकियों को खाना मुहैया कराने के साथ घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता भी बताया था। इस हमले में 9 श्रद्धालु मारे गए थे, जबकि 40 घायल हुए थे।

जमीन में छिपे दुश्मनों को चुटकियों में कर सकता है तबाह

अमेरिका बना रहा बंकर ब्लास्टर, जानें कितना घातक है GBU-72

अमेरिका (एजेंसी)। दुनिया में युद्ध के दौरान कई हवाई हमले होते हैं और इन हवाई हमले से बचने के लिए अलग-अलग देशों में बड़े-बड़े बंकर बनाए जा रहे है. वहीं अमेरिकी हवाई हमले से बचने के लिए उसके दुश्मन देश गहराई में बंकर बनने जा रहे हैं. चीन, उत्तर कोरिया से लेकर ईरान तक सभी देश मिलिट्री फैसिलिटी का निर्माण कर रहे हैं, लेकिन अमेरिका भी कम नहीं. बंकरों पर अटैक करने के लिए बंकर ब्लास्ट बम बना रहा है. अमेरिका का बनाया हुआ एक बम मार्च में मोजावे रेगिस्तान में दिखाई दिया. अमेरिकी एयरफोर्स के KC-135 टैंकर से इंधन भरते अमेरिकी एयरफोर्स के बोइंग क्1 बमवर्षक की फोटो खींची. इस फोटो में क्ा बमवर्षक के नीचे एक बड़ा बम भी मौजूद था.

2270 किलो का है GBU-72

एविएशन एक्सपर्ट डेविड सेनसिओटी ये तस्वीर देखने वाले पहले शख्स थे. पहले उन्होंने सोचा कि यह बम हो सकता है, जो 900 किलो का सेटेलाइट गाइडेड बम है, लेकिन जब उन्होंने इस तस्वीर को पास देखा तो पता चला कि यह त्नक्र-31 नहीं था. यह कोई नया बम था, जो की बहुत कम देखा जाने वाला, GBU-72 है जो 2270 किलो का है. यह वह बम है, जो किसी बंकर को तबाह करने के लिए काफी होता है. ये इस तरह बनाया जाता है कि बंकर तबाह करने से पहले यह पहले मिट्टी की चट्टानों को निशान लगा सके.

कौन सा है अमेरिका का सबसे घातक बम

अमेरिका के पास GBU-71 है, जो कि खास बमों में से एक है. हाइटेक फ्यूज और ठोस आवरण के साथ-साथ ये एक सैटेलाइट गाइडेड बंकर-बस्टर है. ये साइज में छोटा है, लेकिन इसे इसके साइज से नहीं आंका जा सकता. ये जितना छोटा है उतनी ज्यादा तबाही मचा सकता है. यानी की अमेरिका के पास बेहतरीन क्वालिटी के बंकर ब्लास्टर हैं. एक है त्नक्र-28 और दूसरा है 12250 किलो का त्नक्र-57. त्नक्र-28, जो आकार में छोटा है. बोइंग एफ-15ई लड़ाकू विमान अपने साथ कहीं भी लेकर जा सकता है, लेकिन ये सिर्फ 200 मीटर की गहराई तक ही निशाना लगा सकता है. त्नक्र-57 भी 200 मीटर तक निशाना लगा सकता है, लेकिन ये इतना बड़ा है कि एयरफोर्स के बड़े विमान ही इसे ले जा सकते हैं.

क्या है इसकी खासियत

अमेरिकी एयरफोर्स का कहना है कि हम नहीं जानते की GBU-72 विस्फोट से पहले कितनी गहराई तक जाएगा, लेकिन GBU-72, GBU-28 जैसे पुराने विस्फोटकों से ज्यादा घातक और खतरनाक होगा. रिपोर्ट के मुताबिक GBU-72 विशाल के जितना शक्तिशाली तो नहीं हो सकता, लेकिन इसे लेकर जाने के लिए अमेरिकी एयरफोर्स के कुछ चुनिंदा विमान पर निर्भर रहना होगा. बता दें कि अमेरिकी एयर फोर्स ने पहली बार 2021 में F15A के जरिए GBU-72 का एक्सपेरिमेंट किया था।

पेपर लीक हुआ तो 10 साल जेल 1 करोड़ तक जुर्माना

दिल्ली (एजेंसी)। देश में एंटी-पेपर लीक कानून यानी पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 लागू हो गया है। केंद्र ने शुक्रवार (21 जून) की आधी रात इसका नोटिफिकेशन जारी किया। यह कानून भर्ती परीक्षाओं में नकल और अन्य गड़बड़ियां रोकने के लिए लाया गया है। इस कानून के तहत, पेपर लीक करने या आंसर शीट के साथ छेड़छाड़ करने पर कम से कम 3 साल जेल की सजा होगी। इसे 10 लाख तक के जुर्माने के साथ 5 साल तक बढ़ाया जा सकता है। परीक्षा संचालन के लिए नियुक्त सर्विस प्रोवाइडर अगर दोषी होता है तो उसे 5 से 10 साल तक की जेल की सजा और 1 करोड़ रुपए तक जुर्माना होगा। सर्विस प्रोवाइडर अवैध गतिविधियों में शामिल है, तो उससे परीक्षा की लागत वसूली जाएगी। नीट और यूजीसी-एनईटी जैसी परीक्षाओं में गड़बड़ियों के बीच यह कानून लाने का फैसला बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे पहले, केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों के पास परीक्षाओं में गड़बड़ी से जुड़े अपराधों से निपटने के लिए अलग से कोई ठोस कानून नहीं था। पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, इसी साल 6 फरवरी को लोकसभा और 9 फरवरी को राज्यसभा से पारित हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 फरवरी को बिल को मंजूरी देकर इसे कानून में बदल दिया। इस कानून में संघ लोक सेवा आयोग कर्मचारी चयन आयोग रेलवे भर्ती बोर्ड, बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की परीक्षाएं शामिल होंगी।

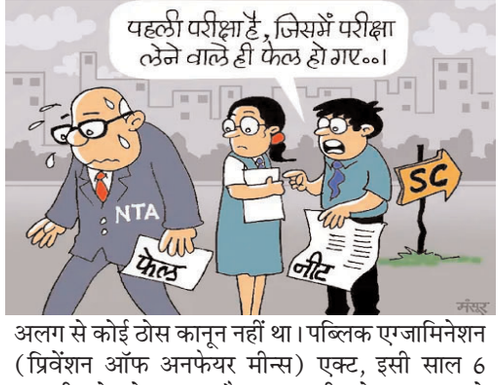

मायावती ने भतीजे आकाश को फिर स्टार प्रचारक बनाया

लखनऊ (एजेंसी)। मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को फिर नई जिम्मेदारी दी है। बसपा प्रमुख ने उनको उत्तराखंड उपचुनाव में पार्टी का स्टार प्रचारक बनाया है। आकाश का नाम लिस्ट में मायावती के बाद दूसरे नंबर पर है। हालांकि, पार्टी सूत्रों ने बताया कि अभी आकाश यूपी की सियासत से दूर रहेंगे। लोकसभा चुनाव के दौरान 7 मई को मायावती ने आकाश से पार्टी के सभी अहम पद छीन लिए थे। उन्होंने सार्वजनिक ऐलान किया था कि आकाश अभी मैच्योर नहीं हैं। आकाश इसके बाद पूरे चुनाव में चुप रहे। उनका एक भी बयान सामने नहीं आया। आकाश की चुनावी सभाओं में बयानबाजी को लेकर मायावती नाराज हुई थीं। मायावती ने पिछले साल दिसंबर में ही आकाश को पार्टी का अपने बाद उत्तराधिकारी घोषित किया था। पॉलिटिकल एक्सपर्ट मानते हैं कि मायावती अक्सर कांग्रेस पर हमला बोलती हैं। जिस तरह से सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ मुखर होना चाहिए, वह नहीं दिखता। इस कारण बसपा को बीजेपी की बी टीम का तमगा मिला। मायावती इस तमगे को हटा नहीं सकीं। आकाश आनंद चुनावी रैलियों में केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ और बसपा सरकार के ऐतिहासिक कामों को बता रहे थे। लेकिन उन पर कार्रवाई कर दी गई। इससे युवा वर्ग निराश हो गया।

ड्रामा कर रहीं आप नेता दोपहर और रात में हो जाती हैं गायब

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में पानी का संकट सियासी रूप ले लिया है। आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली की मंत्री आतिशी का अनशन दूसरे दिन भी जारी रहा। दक्षिणी दिल्ली के भोगल में अपने 'जल सत्याग्रह' स्थल से एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि जब तक हरियाणा दिल्ली की जनता के लिए और पानी नहीं छोड़ता, तब तक वह कुछ नहीं खाएंगी। उन्होंने दावा किया कि शहर में 28 लाख लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। इस सियासत के बीच पानी के मुद्दे पर अनिश्चितकाल के लिए अनशन पर बैठीं जल मंत्री आतिशी पर भाजपा हमलावर हो गई है। भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंत्री आतिशी के अनिश्चितकाल के भूख हड़ताल पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने इस अनशन को ढोंग करार दिया और कहा आतिशी जी की भूख हड़ताल भी उतना ही बड़ा ड्रामा है जैसे केजरीवाल जी अपनी ईमानदारी का ढोंग करते हैं।अनिश्चितकालीन सत्याग्रह पर बैठने वाली आतिशी जी दोपहर और रात में गायब हो जाती हैं।भाजपा नेता ने यह भी कहा कि अगर

आपको सत्याग्रह करना ही है तो टैंकर माफिया के खिलाफ कीजिए। अपने उन विधायकों के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठिए जिन्होंने टैंकर माफिया से दलाली खाई है और दिल्ली के लोगों को पानी के नाम पर लूटे हैं। उधर रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में दिल्ली के ओखला औद्योगिक क्षेत्र इलाके में स्थित जल बोर्ड के ऑफिस पर बीजेपी आप के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर रही है।

रमेश बिधूड़ी के अनुसार दिल्ली जल बोर्ड ने ट्यूबवेल

हरियाणा में पुलिस पर पथराव

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में शनिवार को बस के नीचे आने से फैक्ट्री कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के बाद साथी कर्मचारी भड़क गए। उन्होंने एक्सीडेंट करने वाली बस को तोड़ दिया। पुलिस कर्मचारियों को समझाने के लिए पहुंची तो उन्होंने जमकर पथराव किया। गुस्साई भीड़ ने पुलिस की पीसीआर समेत दूसरी गाड़ियां भी तोड़ डाली। माहौल तनावपूर्ण देख भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई। पथराव में कई पुलिस कर्मचारियों को चोटें आई हैं। कर्मचारियों के मुताबिक कंपनी के बस ड्राइवर ने उनके साथी मोनू (24) को जानबूझकर कुचलकर मार दिया।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग पर अभी बातचीत शुरू नहीं हुई

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि इस साल के अंत में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए महाविकास आघाडी (एमवीए) के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे पर अभी बातचीत शुरू नहीं हुई है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विपक्षी गठबंधन में सभी समान हितधारक हैं। संजय राउत ने संवाददाताओं से कहा कि एमवीए ने एकजुट होकर लोकसभा चुनाव लड़ा और दुनिया को यह दिखा दिया कि कैसे महाराष्ट्र ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूर्ण बहुमत हासिल

करने से रोक दिया। महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी में शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस घटक दल हैं। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में एमवीए ने राज्य की 48 सीट में से 30 सीट पर जीत हासिल की थी।

संजय राउत ने कहा, ''आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर अभी तक न तो राकांपा (एसपी) और न ही कांग्रेस के साथ बातचीत शुरू हुई है। इसलिए यह सवाल ही नहीं उठता कि कौन कितनी सीट पर चुनाव लड़ेगा। सभी बराबर के हितधारक हैं। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 सीट हैं। किसी के लिए भी सीट की कमी नहीं होगी। सभी आराम से चुनाव लड़ सकते हैं।

किरण चौधरी के बीजेपी ज्वाइन करने पर रणदीप सुरजेवाला का बयान, बोले- 'कांग्रेस पार्टी को मंथन की जरूरत है'

नई दिल्ली (एजेंसी)। किरण चौधरी और उनकी बेटी श्रुति चौधरी के बीजेपी ज्वाइन करने पर कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला का चौंकाने वाला बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई नेता कांग्रेस छोड़कर जाता है तो इससे पार्टी को नुक्सान और दुख होता है। इस पर पार्टी को मंथन की जरूरत है।

रणदीप सिंह सुरजेवाला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, कांग्रेस का एक साथी भी पार्टी को छोड़कर जाता है तो उसका नुकसान और दुख होता है। एक कार्यकर्ता जाता है तो भी होता है, लेकिन अगर कोई नेता जाए तो ज्यादा नुकसान होता है। पार्टी के नेतृत्व को मंथन करना चाहिए कि क्या

कारण है कि हमने अपने महत्वपूर्ण साथियों को खो दिया है। किरण चौधरी ने कांग्रेस से इस्तीफा देते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को ईमेल किया था। उन्होंने इसमें लिखा था, मैं चार दशकों से कांग्रेस की वफादार सदस्य रही हूं ।

प्रधानमंत्री ने बांग्लादेशी प्रधानमंत्री हसीना के साथ कई समझौतों पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली(एजेंसी)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ व्यापार और संपर्क सहित विविध क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने के लिए व्यापक बातचीत की। लोकसभा चुनाव के बाद भारत में नई सरकार के गठन के बाद, किसी विदेशी नेता की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया 'एक्स पर एक पोस्ट में लिखा,'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने द्विपक्षीय वार्ता से पहले हैदराबाद हाउस में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा, '' दोनों नेता 2019 से दस बार मुलाकात कर चुके

हैं, जिससे रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव आया है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हसीना ने सुबह राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री के साथ वार्ता से पहले हसीना का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में रस्मी स्वागत किया गया।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने लाल कृष्ण आडवाणी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने दिल्ली में भारत रत्न और वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट करते हुए इस बारे में जानकारी शेयर की है। हरदीप पुरी ने

राजनीतिक दिग्गज, राष्ट्रवादी प्रतीक, कई लोगों के मार्गदर्शक और मार्गदर्शक, भारत रत्न श्री लालकृष्ण आडवाणी जी से आज उनके आवास पर जाकर आशीर्वाद लिया।

पेपर लीक विवाद के बीच परीक्षा कानून का लागू किया जाना 'डैमेज कंट्रोल की कोशिश -कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि नीट-स्नातक, यूजीसी-नेट परीक्षाओं को लेकर विवाद के बीच, केंद्र सरकार द्वारा लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 अधिसूचित किया जाना डैमेज कंट्रोल (स्थिति को संभालने) की कोशिश है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इस कानून की जरूरत थी, लेकिन यह पेपर लीक के बाद की स्थिति से निपटता

है जबकि यह सुनिश्चित करने के लिए कानून और प्रक्रियाओं की आवश्यकता है कि पेपर लीक ही न हो। नीट, यूजीसी-नेट परीक्षाओं को लेकर विवाद के बीच, केंद्र सरकार ने शुक्रवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 अधिसूचित किया, जिसका उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कदाचार और अनियमितताओं पर अंकुश लगाना है।

तेलंगाना में किसानों का हुआ कर्ज माफ, राहुल गांधी बोले- जो कहा, कर दिखाया...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना में किसानों के दो लाख रुपये के कर्ज माफ किए जाने की घोषणा को ऐतिहासिक करार देते हुए शनिवार को कहा कि जहां भी उनकी पार्टी की सरकार होगी, वहां हिंदुस्तान का धन पूंजीपतियों पर नहीं, बल्कि 'हिंदुस्तानियों पर खर्च किया जाएगा।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा था कि 12 दिसंबर, 2018 से नौ दिसंबर, 2023 के बीच जिन किसानों ने दो लाख रुपये तक का कर्ज लिया है, उन्हें एकमुश्त माफ कर दिया

जाएगा। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, तेलंगाना के 40 लाख से ज़्यादा किसान परिवारों को कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने कर्ज़ मुक्त बनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। 16 साल पहले, कांग्रेस नीत संप्रग सरकार ने 3.73 करोड़ किसानों का 72,000 करोड़ रुपये का कृषि ऋण व ब्याज़ माफ़ किया था। उसके बाद, हमने कांग्रेस शासित कई राज्यों में किसानों का कर्ज़ माफ़ किया। उन्होंने कहा, एक तरफ़, जहां मोदी सरकार ने देश के किसानों पर तीन काले कानून थोपे, उन्हें कंटीली तारों, ड्रोन से आंसू गैस, रबर बुलेट व लाठी-गोली चलाकर महीनों तक सताया।

बल्लेबाज या गेंदबाज किसकी चमकेगी किस्मत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में लगातार जीत की लय बरकरार रखे हुए टीम इंडिया अब शनिवार यानी 22 जून को बांग्लादेश के खिलाफ अपना दूसरा सुपर -8 मुकाबला खेलेगी। वहीं इस मुकाबले में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाजों के फॉर्म में लौटने की उम्मीद लगाई जा रही है।

दोनों टीमों के एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड में भारत का पलड़ा भारी है। लेकिन बांग्लादेश उलटफेर करने में माहिर है और टीम इंडिया ये बखूबी जानती भी है। इससे पहले जहां भारत को अपने पहले सुपर-8 मुकाबले में अफगानिस्तान के खिलाफ बेहतरीन जीत मिली थी। जबकि बांग्लादेश को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। एंटीगा में सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम की पिच पर बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों की मदद मिलती है। बल्ले और गेंद के बीच एक गजब का कॉन्टेस्ट देखने को मिलता है। तेज गेंदबाजों को यहां शुरुआत में मदद मिलती है। हालांकि, जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता जाता है। वैसे ही स्पिनर्स को इस मैच में मदद मिलनी शुरू हो जाती है। बल्लेबाज इस पिच पर थोड़ा संघर्ष करते हुए नजर आते हैं। उनको पहले पिच पर सेट होना पड़ता है। उसके बाद वह खुलकर रन बना सकते हैं। बल्लेबाजों को भी इस पिच पर मदद मिलती है।

लेकिन गेंदबाजों को थोड़ी ज्यादा मिलती है। बल्लेबाजों के लिए यहां अच्छा उछाल देखने को मिलता है। एंटीगा के सर विवियन रिचर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में अब तक कुल 35 टी20 मुकाबले खेले गए हैं। 35 में से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 16 तो दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 17 मुकाबले जीते हैं।

भारत और बांग्लादेश मुकाबले में बारिश का खलल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 में अपना अगला मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार 22 जून को खेलना है। सेमीफाइनल के लिहाज से ये मुकाबला दोनों ही टीमों के लिए बेहद अहम है। अगर भारतीय टीम ये मैच जीत गई तो उनका सेमीफाइनल में जाना तय हो जाएगा। वहीं, अगर बांग्लादेश को जीत मिली तो फिर टीम इंडिया की मुश्किल बढ़ जाएंगी। भारत और बांग्लादेश के बीच चूंकि ये मैच सेमीफाइनल के लिहाज से काफी अहम है, इसी वजह से टीम इंडिया के फैंस चाहेंगे कि पूरा मैच हो। वेस्टइंडीज में इस बार कई बार बारिश ने मैच में खलल डाला है। कुछ मैच रद्द हुए हैं तो कई मैचों में ओवर्स कम किए गए हैं। इसी कारण से फैंस के मन में ये सवाल है कि कहीं भारत और बांग्लादेश के बीच मैच में तो बारिश का खलल तो नहीं होगा। भारत और बांग्लादेश के बीच मुकाबले के दौरान बारिश का खलल देखने को मिल सकता है। वेदर रिपोर्ट के मुताबिक 40 प्रतिशत तक बारिश के आसार हैं और मैदान में बादल छाए रह सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच मुकाबला इसी मैदान पर खेला गया था, जो बारिश की वजह से पूरा नहीं हो पाया।

अगले 48 घंटों में बर्खास्त किये गये कोच स्टिमक की टिप्पणियों का जवाब देगा एआईएफएफ

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शुक्रवार को कहा कि वह बर्खास्त किये गये कोच इगोर स्टिमक के अपने कुछ वरिष्ठ पदाधिकारियों के खिलाफ तीखे हमले का अगले 48 घंटों में जवाब देगा। स्टिमक ने देश में फुटबॉल से संबंधित सभी समस्याओं के लिए एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को जिम्मेदार ठहराया था। भारत के कतर से दूसरे दौर के अंतिम ग्रुप मैच में हारकर 2026 विश्व कप क्वालीफायर से बाहर होने के बाद स्टिमक को बर्खास्त कर दिया गया। स्टिमक ने ऐसा करने के लिए एआईएफएफ को धमकी दी कि अगर दस दिन के भीतर उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया तो वह फीफा ट्रिब्यूनल में उसके खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। एआईएफएफ ने शुक्रवार को स्टिमक की प्रेस कांफ्रेंस के बाद जारी एक बयान में कहा, ''हमारे संज्ञान में आया है कि भारतीय पुरुष टीम के पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने एआईएफएफ और उसके कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज से संबंधित मीडिया में कुछ टिप्पणियां की हैं। एआईएफएफ अगले 48 घंटों में इस संबंध में एक बयान जारी करेगा।

'' अपनी लंबी ऑनलाइन प्रेस कांफ्रेंस में स्टिमक ने कहा कि भारतीय फुटबॉल 'कैद' है जिसके लिए उन्होंने चौबे को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान 'झूठ और अधूरे वादों से तंग आ चुके थे'।

भारतीय महिला कपाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व कप में लगायी स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

अंताल्या (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमश: विश्व कप के पहले चरण और दूसरे चरण के स्वर्ण पदक जीते थे। इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश भी दिन में कांस्य पदक का मुकाबला खेलेंगे। रिकर्व वर्ग में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा भी दो पदकों की दौड़ में हैं क्योंकि दोनों व्यक्तिगत सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

डिकॉक की ताबड़तोड़ पारी से दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को सात रन से हराया

सेंट लूसिया (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की 65 रन की आक्रामक पारी के बाद केशव महाराज की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में ग्रुप बी के मैच में गत चैम्पियन इंग्लैंड को सात रन से हराया। डिकॉक ने अपनी 38 गेंद की पारी में चार चौके और इतने ही छक्के जड़े। उनके अलावा सिर्फ डेविड मिलर ही दक्षिण अफ्रीका के लिए तेजी से रन बना पाये। उन्होंने 28 गेंदों में 43 रन की परी में चार चौके और दो छक्के लगाये। दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट पर 163 रन बनाने के बाद इंग्लैंड को छह विकेट पर 156 रन पर रोक दिया। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक्स (53) और लियाम लिविंगस्टोन (33) ने पांचवें विकेट के लिए 42 गेंद में 78 रन की साझेदारी की लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने वापसी कर मैच को जीत लिया। ब्रूक्स ने 37 गेंद की पारी में सात चौके लगाये तो वहीं लिविंगस्टोन ने 17 गेंद की पारी में तीन चौके और दो छक्के जड़ें। दक्षिण अफ्रीका के लिए केशव महाराज ने चार ओवर में 25 और कागिसो रबाडा ने 32 रन देकर ने दो-दो विकेट लिये। एनरिच नोर्किया और ऑटनील बार्टमैन को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए फिल सॉल्ट (11) ने पहले ओवर में यानसेन के खिलाफ छक्का जड़ा लेकिन अगले ओवर में रबाडा ने उन्हें चलता कर दिया। रीजा हेंड्रिक्स ने बायीं ओर ड्राइव लगाकर उनका शानदार कैच लपका। क्रीज पर आये जॉनी बेयरस्टो (16) ने यानसेन जबकि कप्तान जोस बटलर (17) ने महाराज के खिलाफ चौके लगाये। इस बीच चौथे ओवर में रबाडा की गेंद पर क्लासेन ने बेयरस्टो का कैच टपका कर जीवनदान दिया लेकिन वह फायदा नहीं उठा सके। महाराज ने बेयरस्टो और बटलर को चलता कर मैच में दक्षिण अफ्रीका का शिकंजा कस दिया। उन्होंने नोर्किया के हाथों कैच कराकर बेयरस्टो को पवेलियन भेजा जबकि बटलर का कैच क्लासेन ने लपका। बार्टमैन ने 11वें ओवर में मोईन की 10 गेंद में नौ रन की पारी को खत्म किया। इंग्लैंड की टीम 11वें ओवर में 61 रन पर चार विकेट गंवा कर मुश्किल में थी। हैरी ब्रूक और लियाम लिविंगस्टोन की जोड़ी ने इसके बाद 14वें ओवर तक संभल कर बल्लेबाजी की और जब इंग्लैंड को जीत के लिए आखिरी 36 गेंद में 77 रन की जरूरत थी तो उन्होंने आक्रामक रुख अपनाया। लिविंगस्टोन ने रबाडा के खिलाफ छक्का लगाया जबकि ब्रूक ने दो चौके जड़ें, जिससे टीम ने 15वें ओवर में 18 रन बटोर कर रनों का शतक पूरा किया। ब्रूक ने आक्रामक अंदाज जारी रखते हुए नोर्किया के खिलाफ भी दो चौके लगाकर दबाव कम किया।

लिविंगस्टोन ने 17वें ओवर में बार्टमैन के खिलाफ लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाकर मैच में इंग्लैंड की वापसी करायी। इंग्लैंड को अब आखिरी तीन ओवर में 25 रन चाहिए थे लेकिन रबाडा ने चार देकर लिविंगस्टोन को स्टब्स के हाथों कैच कराया तो वहीं यानसेन ने सिर्फ सात रन खर्च किये। नोर्किया ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर ब्रूक को आउट कर इंग्लैंड पर दबाव बना दिया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की पारी में डिकॉक ने दूसरे ओवर में मोईन के खिलाफ चौका और छक्का लगाने के बाद आर्चर की लगातार गेंदों पर दो छक्के और चौका लगाकर हाथ खोला। पारी के इस चौथे ओवर में रीजा हेंड्रिक्स ने भी चौका लगाया जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 21 रन बटोरे। डिकॉक ने छठे ओवर में सैम कुरेन के खिलाफ अपनी पारी का चौथा छक्का लगाया जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 63 रन बना लिये। उन्होंने अगले ओवर में एक रन चुरा कर 22 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। दोनों छोर से आदिल राशीदऔर मोईन अली की स्पिन गेंदबाजी ने दक्षिण अफ्रीका की रनगति पर अंकुश लगाया। इस बीच राशीद की गेंद पर डिकॉक को जीवनदान भी मिला जब मार्क वुड ने कैच पकड़ने के दौरान गेंद को मैदान में सटा दिया। उन्होंने मोईन के खिलाफ अगले ओवर में चौका लगाया लेकिन इस गेंदबाज ने हेंड्रिक्स को आउट कर पहले विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी को तोड़ा। हेंड्रिक्स 25 गेंद में 19 रन की बना सके। रनगति को फिर से बढ़ाने के लिए दक्षिण अफ्रीका ने हेनरिच क्लासेन (आठ) को तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजा लेकिन बटलर ने विकेट के पीछे से गेंदबाजी छोर पर बेहतरीन थ्रो के साथ उन्हें रन आउट कर दिया। बटलर ने इसके बाद गेंद आर्चर को थमाई और इस तेज गेंदबाज ने डिकॉक को आउट कर उनके फैसले को सही साबित किया। बटलर ने शानदार कैच लपक कर उनकी पारी को खत्म किया। राशीद ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम (एक) को चलता किया जिससे टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 86 रन से 15वें ओवर में चार विकेट पर 115 रन हो गया। विकेटों के पतन के बीच मिलर ने एक छोर संभालने के साथ बड़ा शॉट खेलना जारी रखा। आर्चर ने आखिरी ओवर में लगातार गेंदों पर मिलर और मार्को यानसेन (शून्य) का विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को 163 रन पर रोक दिया।

ऋषभ पंत का बतौर विकेटकीपर कमाल, एक साथ तोड़ा दिग्गजों का कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 मुकाबले में भारत ने अफगानिस्तान की टीम को 47 रन से हराया और इस मैच में ऋषभ पंत ने बतौर विकेटकीपर 3 कैच पकड़कर एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। भारत और अफगानिस्तान के इस मैच में अफगानिस्तान के सभी 10 खिलाड़ी कैच आउट हुए जिसमें से 3 कैच पंत ने लपके। पंत के अलावा इस मैच में रविंद्र जडेजा ने 3 कैच लपके। पंत के अलावा इस मैच में रविंद्र जडेजा ने 3, रोहित शर्मा ने 2 जबकि अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने एक-एख कैच लिए। पंत ने इस मैच में विकेट के पीछे कमाल का काम किया और एक साथ 5 खिलाड़ियों के रिकॉर्ड तोड़ डाले। पंत ने अफगानिस्तान के 3 खिलाड़ियों का कैच पकड़ा और एक साथ एडम गिलक्रिस्ट, मैथ्यू वेड, जोस बटलर, स्कॉट एडवर्ड्स और दासुन शनाका का रिकॉर्ड तोड़ दिया। पंत ने टी20 वर्ल्ड कप म2024 के अब तक हुए मैचों में कुल 10 कैच पकड़े हैं और वो अब वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के एक सीजन में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए। पंत से पहले ये कमाल गिलक्रिस्ट ने साल 2007, मैथ्यू वेड ने साल 2021, जोस बटलर ने साल 2022, स्कॉट एडवर्ड्स ने साल 2022 और दासुन शनाका ने साल 2022 में ही बतौर विकेटकीपर 9-9 कैच लिए थे। लेकिन अब पंत ने एख सात इन सभी को पीछे छोड़ दिया।

गिलक्रिस्ट के स्तर तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता तय करना होगा पंत को-इयान स्मिथ

ग्रॉस आइलेट (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान स्मिथ का मानना है कि ऋषभ पंत की एडम गिलक्रिस्ट के साथ तुलना करना अभी जल्दबाजी होगी लेकिन उन्होंने कहा कि अगर भारत का विकेटकीपर बल्लेबाज अपनी वर्तमान फॉर्म को जारी रखता है तो वह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी के करीब पहुंच सकता है। स्मिथ स्वयं भी विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं और पंत ने कार दुर्घटना से उबरने के बाद जिस तरह से वापसी की है उससे काफी प्रभावित हैं। पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग में अच्छा प्रदर्शन किया और टी20 विश्व कप में भी वह विकेट के आगे और विकेट के पीछे अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से निभा रहे हैं।

पंत को वर्तमान समय में विश्व क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में गिना जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट शतक लगाए हैं लेकिन गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए उन्हें अभी लंबा रास्ता तय करना होगा जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15000 से अधिक रन बनाने के साथ 800 से अधिक कैच लिए हैं। टी20 विश्व कप में कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे स्मिथ ने कहा,''ऋषभ पंत ने दुर्घटना के बाद दमदार वापसी की है और वह बेहतरीन फॉर्म में दिख रहा है। वह बेहद कुशल खिलाड़ी है। वह आक्रामक है, वह खतरनाक खिलाड़ी है।''गिलक्रिस्ट की तरह पंत ने भी दिखा दिया है कि वह प्रत्येक प्रारूप में किसी भी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। टी20 विश्व कप में उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है और उन्होंने अभी तक इस फैसले को सही साबित किया है। स्मिथ ने कहा,''वह किसी भी खिलाड़ी का अच्छी तरह से साथ निभा सकते हैं फिर चाहे वह विराट कोहली हो या रोहित शर्मा। इसलिए उन्हें तीसरे नंबर पर उतारने का फैसला सही है क्योंकि मेरा मानना है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को अधिक गेंदों का सामना करने का मौका मिलना चाहिए।

यही वजह है जिससे कि वह विशेष बन जाता है।'' उन्होंने कहा,''वह पहली गेंद को ही हिट कर सकता है और उसे सीमा रेखा के पास पहुंचा सकता है। उसके पास रन बनाने के अन्य विकल्प भी हैं।उसने केएल राहुल जैसे अच्छे खिलाड़ी की जगह ली है। केएल राहुल विश्व स्तरीय क्रिकेटर है और उसकी जगह लेना काफी मायने रखता है।'' इस 26 वर्षीय क्रिकेटर की गिलक्रिस्ट से तुलना करने के लिए हालांकि अभी इंतजार करना होगा। स्मिथ ने कहा,'' गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए उसे अभी काफी रास्ता तय करना होगा।

दोनों एक तरह के ही क्रिकेटर हैं जो टेस्ट क्रिकेट में निचले क्रम और सीमित ओवरों की क्रिकेट में ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए उसमें और गिलक्रिस्ट में समानता है। अगर वह आगे कुछ वर्षों तक इसी तरह से खेलता रहा तब लोग कहेंगे कि गिलक्रिस्ट और पंत एक दूसरे के काफी करीब हैं।

होप की धमाकेदार पारी, वेस्टइंडीज की अमेरिका पर बड़ी जीत

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। रोस्टन चेज और आंद्रे रसेल की शानदार गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज शाई होप की धमाकेदार पारी की मदद से वेस्टइंडीज अपने सह मेजबान अमेरिका को 55 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से हराकर टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों को पंख लगाए। सुपर 8 के ग्रुप 2 के अपने पहले मैच में इंग्लैंड से हारने वाले वेस्टइंडीज के लिए इस मैच में सब कुछ सकारात्मक रहा। उसने पहले टॉस जीता और फिर अमेरिका की पूरी टीम को 19.5 ओवर में 128 रन पर आउट कर दिया। वेस्टइंडीज ने इसके बाद होप की 39 गेंद पर खेली गई नाबाद 82 रन की परी की मदद से केवल 10.5 ओवर में एक विकेट पर 130 रन बनाकर अपने नेट रन रेट में बहुत सुधार किया। होप ने अपनी पारी में चार चौके और आठ छक्के लगाए। वेस्टइंडीज को अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए दक्षिण अफ्रीका को हराना होगा। इंग्लैंड अगर अपने अगले मैच में अमेरिका को हरा देता है तब भी वेस्टइंडीज आगे बढ़ सकता है क्योंकि अभी उसका नेट रन रेट दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से बेहतर है। जॉनसन चार्ल्स 14 गेंद पर 15 रन बनाकर आउट हो गए लेकिन होप और निकोलस पूरन ने दूसरे विकेट के लिए केवल 23 गेंद पर 63 रन जोड़कर टीम को बड़ी जीत दिलाई। पूरन ने 12 गेंद पर नाबाद 27 रन बनाए जिसमें तीन छक्के और एक चौका शामिल है। वह इस टूर्नामेंट में अभी तक 17 छक्के लगा चुके हैं जो किसी एक टी20 विश्व कप में नया रिकॉर्ड है। पूरन ने वेस्टइंडीज के अपने पूर्व साथी क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2012 में 16 छक्के लगाए थे। होप ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया और चार्ल्स के साथ पहले विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की। उन्होंने छक्के लगाने के अपने कौशल का खुलकर प्रदर्शन किया तथा अपनी पारी के दौरान मिलिंद कुमार पर लगातार तीन छक्के भी लगाए। होप ने विजयी छक्का लगाकर वेस्टइंडीज को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले अमेरिका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद स्टीवन टेलर (02) का विकेट जल्दी गंवा दिया लेकिन इसके बाद एंड्रियास गौस (29) और नीतीश कुमार (20) ने दूसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़कर टीम को शुरुआती झटके से उबारा। चेज (19 रन देकर तीन विकेट) ने बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी करते हुए अमेरिका की पारी लड़खड़ा दी जिसने 37 रन के अंदर पांच विकेट गंवाए। चेज ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया। रसेल ने 31 रन देकर तीन विकेट लिए और उन्होंने टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज की तरफ से सर्वाधिक विकेट (27) लेने के ड्वेन ब्रावो के रिकॉर्ड की बराबरी की। अमेरिका के लिए मिलिंद कुमार (19) और शैडली वान शाल्कविक (18) ने कुछ देर तक संघर्ष किया जबकि अली खान (नाबाद 14) ने आखिर में एक चौका और छक्का लगाया लेकिन वह वेस्टइंडीज को बड़ा लक्ष्य नहीं दे पाए। वेस्टइंडीज की तरफ से चेज और रसेल के अलावा अलजारी जोसेफ ने 31 रन देकर दो और गुडाकेश मोती ने 14 रन देकर एक विकेट लिया।

आकाशीय बिजली गिरने से महिला सहित 4 की मौत

हादसे में 5 लोग झुलसे, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्री मानसूनी बारिश के शुरू होते ही आकाशीय बिजली ने सतना जिले में शनिवार को चार जिंदगियां निगल ली हैं। जबकि घटना में 5 की हालत गंभीर है। दरअसल, शनिवार की दोपहर बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से सतना शहर के कोलगवां थाना अंतर्गत कृष्ण नगर में एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान अंबुज कोल निवासी धवारी के रूप में हुई है। वह नीता गर्ग के यहां मकान की पोताई का काम कर रहा था। इसी बीच मजदूर हादसे का शिकार हो गया।

मझगवां क्षेत्र में 3 की मौत: मझगवां थाना क्षेत्र में भी शनिवार को अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली मौत बन कर गिरी। गौहानी में कुसुमा सिंह पति सेखन सिंह निवासी बिछियन की जान आकाशीय बिजली ने ले ली। कुसुमा अपनी बेटी की ससुराल गौहानी आई हुई थी।

इसी तरह हिरौंदी निवासी चंपा सिंह पति दादू भाई सिंह (60) की भी गाज गिरने से मौत हो गई। इसके अलावा प्रमोद सिंह पिता शंकर सिंह (42) निवासी हिरौंदी की भी मौत आकाशीय बिजली की चपेट में आने से हो गई। घटना में 5 अन्य लोग बुरी तरह झुलस भी गए हैं। उन्हें मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है।

सतना पर मेहरबान हुआ मौसम, शुरू हुआ बारिश का दौर

शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में भी गरजे-बरसे बादल, बिजली गिरने से एक की मौत

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। तापमान का कहर झेल चुके सतना के लोगों पर अब मौसम की मेहरबानी का दौर शुरू हो गया है। सूरज की तपिश से बेहाल रहे लोगों को बादलों ने राहत देनी शुरू कर दी है। शनिवार को तड़के हुई बूंदाबांदी के बाद दोपहर के वक्त भी बादल सतना में झूम कर बरसे। हालांकि इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत होने की भी खबर है।

बादलों की गड़गड़ाहट और ठंडी हवा के झोंको के साथ शुरू हुई बारिश ने मौसम को ठंडा कर दिया। शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी शनिवार को जमकर बारिश हुई। कहीं रात से सुबह तक बादल बरसते रहे तो कहीं दोपहर में आसमान से पानी की बूंद राहत बन कर बरसीं।

हालांकि प्री मानसूनी बारिश के कारण सतना शहर में लोगों की मुश्किल भी बढ़ गई हैं। सीवर लाइन के गड्ढों और उन्हें भरने के लिए डाली गई मिट्टी ने जहां सड़कों पर फिसलन बढ़ा दी। वहीं शुरुआती दौर की बारिश में ही कई जगह जल भराव के हालात भी बने और कई जगह नालियां उफना कर सड़क पर बहने लगीं।

उधर, मझगवां थाना क्षेत्र के सेहा मोड़ के पास आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत होने और दो लोगों के झुलसने की भी खबर है। मृतक की शिनाख्त अभी नहीं हो सकी है।

युवक की मौत के बाद परिजनों ने किया चक्का जाम

थाने के सामने शव रख कर किया प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। नई गढ़ी में 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने चक्काजाम कर दिया। शव को नई गढ़ी थाने के सामने रखकर प्रदर्शन किया। परिजनों का आरोप है कि व्यक्ति की मौत करंट लगने से हुई है। जबकि डॉक्टर्स का कहना है कि व्यक्ति की मौत हार्ट अटैक से हुई है। जानकारी के मुताबिक युवक बहेरा स्थित अपने घर से मजदूरी करने देवरी सेगरान गया था। परिजनों के मुताबिक ठेकेदार ने युवक को आम के पेड़ पर डाल काटने के लिए चढ़ाया था। जहां वो 11000 वोल्ट करंट की चपेट में आ गया। करंट की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जबकि पूरे मामले में नई गढ़ी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर आर के पाठक का कहना है कि युवक की मौत करंट लगने से नहीं बल्कि हार्ट अटैक से हुई है। परिजनों ने शनिवार सुबह 10:00 बजे नई गढ़ी थाने के सामने चक्का जाम कर दिया। जिसके बाद पुलिस द्वारा समझाइश देकर जाम खुलवाया गया।

डीएपी से बेहतर है एनपीके खाद, किसानों से उपयोग की अपील

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। बारिश का मौसम शुरु हो जाने से किसानों द्वारा खरीफ सीजन-2024 के लिए बोनी कार्य की तैयारी शुरु कर दी गई है। इसके साथ ही उर्वरकों का भी उठाव किया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा किसानों से अपील की गई है कि डीएपी के स्थान पर एनपीके खाद बेहतर विकल्प है। एनपीके 12:32:16 और 16:16:16 उर्वरकों से फसलों में मुख्य पोषक तत्व नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व की पूर्ति होती है। इसी प्रकार 20:20:0:13 से नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं सल्फर की पूर्ति होती है। डीएपी से केवल दो तत्व नत्रजन एवं फास्फोरस ही मिलते हैं। डीएपी से पोटाश तत्व की पूर्ति नहीं होती है। इसके अलावा सिंगल सुपर फास्फेट जिसमें 16 प्रतिशत फास्फोरस, 12 प्रतिशत सल्फर एवं 21 प्रतिशत कैल्शियम पाया जाता है। इसके उपयोग से फसलों के उत्पादन में वृद्धि होती है। जिले में खरीफ 2024 में मुख्य फसल धान, बाजरा, तिल, उड़द एवं सोयाबीन है। इसके लिए एनपीके उर्वरक का उपयोग किसान भाई करें।

उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास मनोज कश्यप ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा उर्वरकों की विक्रय दर निर्धारित की गई है। शासन द्वारा नैनो यूरिया (500 एमएल) की विक्रय दर 225 रुपये निर्धारित है। इसी प्रकार नैनो डीएपी (500 एमएल) के लिये 600 रुपये, डीएपी (50 किलोग्राम) 1350 रुपये, यूरिया (45 किलोग्राम) 266.50 रुपये, कॉम्प्लेक्स (12:32:16) 1470 रुपये, कॉम्प्लेक्स (16:16:16) 1250 रुपये, कॉम्प्लेक्स (20:20:0:13) 1200 रुपये, एमओपी पाउडर (50 किग्रा) 1550 रुपये, एसएसपी दानेदार (50 किग्रा) 480.75 रुपये, एसएसपी पाउडर (50 किग्रा) की विक्रय दर 440.75 रुपये निर्धारित की गई है। जिंक 33 प्रतिशत के 5 किग्रा बैग की विक्रय दर 217.52 रुपये, 10 किग्रा की 418.03 रुपये, 25 किग्रा की 1017.73 रुपये तथा जिंक 21 प्रतिशत के 5 किग्रा बैग की विक्रय दर 187.75 रुपये, 10 किग्रा की 358.48 रुपये एवं 25 किग्रा के बैग की विक्रय दर 868.87 रुपये निर्धारित की गई है।

उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक भंडारित है। जिले के किसानों अपनी सुविधानुसार बीज और उर्वरक का उठाव करें। उन्होने बताया कि वर्तमान में 29966.884 मीट्रिक टन उर्वरक का स्टॉक है। जिसमें यूरिया का स्टॉक 20607.48 मीट्रिक टन, डीएपी 2496.55 मीट्रिक टन, एमओपी 100.905 मीट्रिक टन, एनपीके 2882.395 मीट्रिक टन तथा एसएसपी 3879.55 मीट्रिक टन स्टॉक है।

उप संचालक ने किसानों से कहा है कि कम से कम 4 इंच बर्षा होने के बाद ही खरीफ फसलों की बुवाई करें। बुवाई करने से पहले बीजों को फफूंदी नाशक दवा कार्बनडाइजिम 3 ग्राम दवा एक किलो ग्राम बीज के मान से बीज उपचार करें। जिससे बीज जनित बीमारियों से बचाव हो सके।

23 से 25 जून तक संचालित होगा पल्स पोलियो अभियान

3 लाख 58 हजार से अधिक बच्चों को पिलाई जायेगी पोलियो ड्रॉप

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। पल्स पोलियो अभियान जिले में 23 जून से प्रारंभ हो रहा है और यह अभियान 25 जून तक चलेगा। पल्स पोलियो अभियान के तहत जिले में 0 से 5 वर्ष की आयु के करीब 3 लाख 56 हजार 908 बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान का शुभारंभ कार्यक्रम 23 जून को सांसद गणेश सिंह के मुख्यातिथ्य में आयोजित किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एलके तिवारी ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान 3 दिवस तक समस्त ग्राम एवं शहरी क्षेत्रों, मंजरे टोले, ट्रांजिट साइट पर चलाया जाएगा। 23 जून को पोलियो रविवार के रूप में निर्धारित बूथ स्तर पर तथा 24 जून एवं 25 जून को पोलियो खुराक से छूटे हुए 0 से 5 साल तक के बच्चों को घर-घर पहुंचकर कर्मचारियों द्वारा खुराक पिलाई जाएगी। उन्होने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान के क्रियान्वयन के लिये 2622 पोलियो बूथ बनाए गए है। इसके अलावा 74 ट्रांजिट बूथ एवं 46 मोबाइल बूथ अभियान के दौरान सक्रिय रहेंगे।

वैक्सीनेशन कार्य के लिये 282 पर्यवेक्षक एवं 5658 कार्यकर्ता तैनात किये गये हैं। पल्स पोलियो अभियान के दौरान ईंट, भट्टे एवं निर्माण स्थल झुग्गी, झोपडिया, घुमक्कड आबादी वाले स्थल पर विशेष ध्यान देकर शत-प्रतिशत पूर्ति का प्रयास किया जाएगा। इसके लिये सी-टाइप की टीमें गठित की गई हैं। इसके अलावा बाहर से आये हुये बच्चो पर कड़ी नजर रखने के लिये बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन एवं अन्य आवागमन स्थलों पर अतिरिक्त टीम तैनात की गई है। जिले में पल्स पोलियो अभियान की सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं।

बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की अपील: कलेक्टर अनुराग वर्मा ने सभी आमजन से जन्म से 5 वर्ष तक के बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाकर देश का भविष्य सुरक्षित करने की अपील की है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी यह सुनिश्चित करें की इस अभियान में कोई भी बच्चा पोलियो रोधी खुराक पीने से वंचित न रहे।

किसानों के साथ नाप-तौल में धोखाधड़ी करने वालों को बख्शेंगे नहीं

नाप-तौल में गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध 9111322204 पर व्हाट्स-अप करें शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राज्य सरकार किसानों के साथ नाप-तौल में धोखाधड़ी करने वाले व्यापारियों को चिन्हांकित कर कड़ी कार्रवाई कर रही है। गड़बड़ी करने वाले 57 व्यापारियों को चिन्हांकित कर उनके विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किये गये हैं। नियंत्रक नाप-तौल डॉ. कैलाश बुंदेला ने बताया है कि आगामी खरीफ फसल को दृष्टिगत रखते हुए विशेष जाँच अभियान चलाकर जिलों में खाद-बीज विक्रेताओं की दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया जा रहा है। किसानों को सही मात्रा एवं दाम में खाद एवं बीज बेचने में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध किये जा रहे हैं, जिससे कि किसानों को सही कीमत पर उचित मात्रा में कृषि आदान प्राप्त हों। अभियान में विशेष तौर से जाँचा-परखा जा रहा है कि व्यापारी द्वारा उपयोग में लाए जा रहे नाप-तौल उपकरण नियमानुसार सत्यापित एवं सही है कि नही, खाद एवं बीज के पैकेजों पर नियमानुसार आवश्यक घोषणाए अंकित है कि नहीं। पैकेजों पर अंकित मात्रा के अनुसार खाद एवं बीज है, या नहीं। व्यापारी खाद्य बीज के पैकेजों पर अंकित एमआरपी से अधिक कीमत पर विक्रय तो नहीं कर रहा है।

किसानों को सही मात्रा में सही कृषि आदान उपलब्ध करायें: खाद एवं बीज व्यापारियों को कहा गया है कि वे सत्यापित नाप-तौल उपकरणों का ही उपयोग करे, खाद एवं बीज के पैकेजों पर नियमानुसार आवश्यक घोषणाए अंकित होने पर ही विक्रय के लिये रखें, पैकेजों पर अंकित एमआरपी से अधिक कीमत पर विक्रय न करें। यह सुनिश्चित करें कि किसानों को खाद एवं बीज सही मात्रा में ही मिले। किसी भी व्यापारी के यहां अनियमितता पाई जाने पर नाप-तौल अधिनियम एवं नियमों के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

किसान भाई व्यापारियों की गड़बड़ी पर बेखौफ होकर व्हाट्स-अप करें: डॉ. बुंदेला ने किसानों से आग्रह किया है कि वे कृषि दुकानों पर खरीदी पर संदेह की स्थिति में बेखौफ होकर जानकारी उपलब्ध करायें, जिससे कि व्यापारियों द्वारा किसानों के साथ होने वाली धोखाधड़ी को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि खाद्य एवं बीज विक्रेता के यहां नाप-तौल, अधिक कीमत लेने संबंधी किसी प्रकार भी अनियमितता पर शिकायत विभाग के व्हाटस-एप नम्बर 9111322204 पर जानकारी दें।

नगरीय विकास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी आज सतना आयेंगी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी 23 जून को प्रात: 6:40 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से सतना पहुंचेंगी। बागरी सतना में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी। राज्यमंत्री रात्रि 8:40 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगी।

राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा नियत समय पर होगी

संभाग एवं जिला मुख्यालयों पर रविवार को होगी परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सचिव म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर ने बताया है कि आयोग द्वारा राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा 2024 निर्धारित तिथि 23 जून रविवार को नियत समय पर ही संपूर्ण दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा प्रात: 10 से 12 बजे एवं दोपहर 2:15 से 4:15 बजे तक दो सत्रों में प्रदेश के संभाग एवं जिला मुख्यालयों पर आयोजित की जा रही है।

सचिव लोक सेवा आयोग इंदौर ने सोशल मीडिया तथा कुछ अन्य प्रचार माध्यमों पर प्रसारित निराधार भ्रामक खबरों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है।

साथ ही सोशल मीडिया व अन्य प्रचार माध्यमों से अपेक्षा की है कि परीक्षा की गोपनीयता एवं शुचिता के संबंध में हो रहे भ्रामक समाचारों को संज्ञान में न लें, न ही उन्हें प्रसारित करें।

एमपीपीएससी परीक्षा आज, सतना में बनाए गए 9 सेंटर

दो पालियों में 4400 प्रतिभागी शामिल होंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग (एमपीपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा कल, रविवार को आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए सतना में 9 सेंटर बनाए गए हैं।

परीक्षा दो पालियों में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर सवा 2 बजे से सायं सवा 4 बजे तक होगी, जिसमें 4400 अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रशासन ने परीक्षा की निगरानी के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं की हैं। अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है और परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा के लिए पुलिस बल की तैनाती का भी इंतजाम किया गया है।

ये बनाए गए सेंटर: सतना शहर में बनाए गए 9 सेंटरों में उत्कृष्ट विद्यालय व्यंकट क्रमांक 1, शासकीय स्वशासी महाविद्यालय निराला भवन रीवा रोड, सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल कृष्ण नगर, विट्स कालेज करही रोड, इंदिरा कन्या महाविद्यालय स्टेशन रोड, संत कंवर सिंधु हायर सेकेंडरी स्कूल सिंधी कैंप, बोनांजा कॉन्वेंट स्कूल बदखर, सेंट माइकल स्कूल अमौधा व महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल स्टेशन रोड शामिल हैं।

रविवार 23 जून को होने वाली एमपीपीएससी परीक्षा के पहले सत्र में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को सुबह 9:30 से प्रवेश की अनुमति होगी। परीक्षार्थियों के परीक्षा हॉल में एंट्री के बाद 9:45 बजे से 10 बजे तक का टाइम ओएमआर शीट बांटने और भरने के लिए मिलेगा। परीक्षा 10 बजे शुरू होकर दोपहर 12 बजे तक चलेगी।

जबकि दूसरी पाली के परीक्षार्थियों को दूसरे सत्र में दोपहर 1:45 बजे एंट्री मिलेगी। इसके बाद दोपहर 2 बजे से 2:15 तक का वक्त ओएमआर के वितरण और भरने के लिए रहेगा। परीक्षा दोपहर 2:15 से शुरू होकर 4:15 बजे तक चलेगी।

इन चीजों पर रहेगी पाबंदी: परीक्षा में परीक्षार्थी अपने धूप का चश्मा, जूते-मोजे, हाथ के बैंड या कोई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस नहीं ले जा सकेंगे। किसी भी तरह से नकल को रोकने के लिए परीक्षा हॉल में जूते-मोजे पहनने पर भी पाबंदी रहेगी। परीक्षार्थी चप्पल और सैंडल पहनकर जा सकते हैं। कोई भी परीक्षार्थी चेहरा ढंक कर भी नहीं आ सकेंगे।

जिला सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक 25 जून को

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार अधिनियम 1989 एवं अत्याचार निवारण नियम संशोधित 2016 के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में 25 जून 2024 को सायं 5 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित गई है।

जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण ने बताया कि बैठक में अधिनियम 1989 के अंतर्गत नियम 1995 संशोधित 2016 के तहत विभिन्न उपबंधों के तहत विभिन्न श्रेणी के प्रकरण स्वीकृत और भुगतान राशि, विभिन्न श्रेणी के पीड़ितो को स्वीकृत एवं भुगतान राशि, अधिनियम के उपबंधो के क्रियान्वयन के लिये जिम्मेदार अधिकारियों एवं अभिकरणों की भूमिका के संबंध में, विशेष न्यायालय में अधिनियम के अंतर्गत विचाराधीन एवं निराकृत मामलों एवं पुलिस में दर्ज प्रकरण और अनुसंधान में लंबित मामलों के संबंध में चर्चा की जायेगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।